माली सैनी सन्देश

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 8 अंक : 87 12 सितम्बर, 2012 मूल्य : 150/- वार्षिक

जय रामसा पीर

मीठी मधुर स्मृतियां
आपकी कभी नहीं
मिट पायेगी, हे प्रिय अप्रित है,
विनम्र हृदय से भावांजलि
स्वीकार करें हे पुण्य आत्मा,
हम सबकी यह श्रद्धांजलि

समाज गौरव, आधुनिक जोधपुर के विकास पुरूष

स्व. श्री मानसिंह देवड़ा

श्रद्धावनत

माली सैनी संदेश परिवार

NO.RAJHIN12897/20/1/2004-TC

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 8 • अंक : 87 •12 सितम्बर, 2012 • मूल्य : 150/- वार्षिक

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन)
(अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(पूर्व पार्षद)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

इस अंक में

आवरण कथा

हम केवल साक्षर हुए है, हमें शिक्षित हो समाज को द्रुतगति से आगे बढ़ाना होगा – श्री सत्यनारायण सिंह

जोधपुर भवन धर्मशाला, हरिद्वार की आम सभा संपन्न
अपनों द्वारा ठुकराई बच्ची को समाज गौरव
श्री भगवानसिंह परिहार की संस्था ने अपनाया
समाज के युवा पत्रकार जयप्रकाश माली राज्य स्तर पर सम्मानित
जोधपुर के विकास पुरूष स्व. श्री मानसिंह देवड़ा
छोड़ गए अमिट छाप
सड़कों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता - श्री अशोक गहलोत
अपनों के बीच पहुंच भावविहल हुए
श्री अशोक गहलोत
नि:शुल्क दवा योजना से पूरे देश में राजस्थान का नाम हुआ - श्री अशोक गहलोत
सुमेर महिला महाविद्यालय का शुभारंभ, शिक्षा
के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम - श्री राजेन्द्र सोलंकी
श्री गणेशीराम सच्चे स्काउट गुरू थे
सुनिता बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय का लगातार दूसरी बार बारहवीं बोर्ड जिला स्तर पर प्रथम स्थान
प्रतिभाओं को सम्मानित करना समाज का दायित्व - रेणु सैनी
मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने मंडोर में काला गौरा भैरूजी के दर्शन व पूजा अर्चना की
स्वतंत्रता दिवस पर नरेन्द्र परिहार सम्मानित
भारत के पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न स्व. श्री राजीव गांधी के जन्म दिवस पर रक्तदान कर नमन किया
अन्याय का पक्ष लेना, अध्यक्ष के नजरों में उचित ?
वसीयत

सम्पादक की कलम से ...

दूसरो की मजाक न उड़ाए, बल्कि परहित की भी सोचें

हम एक दूसरे को सम्मान करने की प्रतिष्ठा पा सकते है। सामाजिक प्रतिष्ठा बढाने के लिए परहित को सोच रखनी चाहिए। पर आजकल लोग न मान सम्मान करते है और न दूसरों की भलाई पर भी ध्यान देते है। सबको अपनी अपनी पड़ी है। जिधर देखो उपर लोग व्यस्त जिन्दगी जी रहे है और लोगों की मजाक उडाने का आनन्द लेते है अथवा हमारे समाज में प्रतिष्ठित है अथवा समाज की मान्यता प्राप्त हैं और समाज उसकी बात का आदर करते है तो वह इसीलिए है कि उसका लोगों से स्ने है, उसकी सोच उदार है उसके मन में दया भाव है एवं उसमें सहानुभूति का गुण है। ये चारित्रिक उड़ाने का अर्थ है अपना कद छोटा करना। कभी कभार मित्रों के बीच हंसी मजाक करना तो चाहिए पर अकारण अपने मन का आनन्द पहुंचाने के लिए व्यंग्य भरी मजाक कभी कभार मित्रों के बीच हंसी मजाक करना तो चाहिए पर अकारण अपने मन को आनन्द पहुंचाने के लिए व्यंग भरी मजाक कभी नहीं करनी चाहिए। प्राय: होली त्यौहार के अवसर पर लोग इतनी अप्रिय मजाक कर बैठते है तो झगड़े का कारण हो जाता है। समय और असमय का ध्यान रखना चाहिए। मजाक की हद अवश्य होती है बार बार हंसना और मजाक करना मन मुटाव बढ़ाते है। यहां तक की बात का बतंगड हो जाता है। अत्यधिक मजाक उड़ाना भी अच्छी बात नहीं है। आज मैं आपकी मजाक करूंगा तो कल आप मेरी हंसी उड़ायें। धीरे धीरे सामाजिक वातावरण दूषित होता है। हमारा अधिकांश समय समाज की भलाई में व्यतीत होना चाहिए। हम अपनी सोच को मौलिक एवं विवेकशील बनाए रखें। अपने सामाजिक जीवन में किसी भी बातचीत से अथवा कसी घटना विशेष को लेकर दूसरों के कमजोर पक्ष को या उनकी गलतियों को मजाक का विषय नहीं बनाना चाहिए। क्योंकि हम जिसको मजाक समझते है लेकिन हमारे विनोद का प्रभाव जले पर नमक छिड़कने जैसा महसूस होता है। सबसे अच्छी बात तो यह है कि हम दूसरों की कमियों को उछालने का प्रयास क्यों करें ?

हम चाहे परिवार में हो या अथवा किसी सामाजिक समारोह में, कोई काम छोटा या बड़ा, निजी हो या दूसरों का, वहां पर सबके कल्याण की भावना को प्राथमिकता देनी चाहिए। दूसरों की भावनाओं से जुड़कर ही हम विशिष्ठ उपलब्धियां हासिल कर सकते है। बहुत बड़ी बात यह है कि हम किसी कार्यक्रम का श्रेय प्राप्त करने की कोशिश भी न करें। सामूहिक प्रयास की प्रशंसा करनी चाहिए। आवश्यकतानुसार हम अपनी सोच बदलें ताकि लोगों से सम्पर्क बढ़ेगा। हम जो कुछ भी कहते है या करते है उसका मूल्यांकन समाज में होता रहता है। यदि हम अच्छाईयों की तरफ ध्यान लगाते है तो समाज के लोग हमारे पक्ष में होंगे। भले ही उसका लाभ तत्काल न मिले किन्तु कालांतर में हमारे अच्छे कार्य अपना प्रभाव अवश्य दिखाते है। झूठ बोलना, चिकनी चुपड़ी बातें करना अथवा दूसरों को मूर्ख बनाना उचित नहीं हैं हमारा हंसी और मजाक हो सकता है दूसरों के लिए खतरनाक साबित हो जाए तो जिन्दगी भर का पछतावा ही हाथ लगता है। मित्र मण्डली में बैठकर लम्बी लम्बी डांगे हांकने की आदत से बचना चाहिए । आप स्वयं ही निर्णय करें समाज में वैचारिक और मानसिक परेशानियां पैदा करना कोई अच्छा कार्य है। विवाह समारोह में अथवा जाति सम्मेलन और धार्मिक उत्सवों में समाज के लोगों से मिलने जुलने का हम लोगों को कितना सा समय मिलता है ? वहां भी हम स्नेह, प्रेम और सहयोग के व्यवहार से दूर-दूर रहे तो यह हमारी अदूरदर्शिता ही कहलाती है। ऐसे अवसरों पर तो हमें एक दूसरे से जुड़ने का अधिक से अधिक प्रयास करना चाहिए। सामाजिक जीवन में अच्छाईयों का हमेशा ही महत्व रहता है। समाज की उलझी हुई बातों का हल भी ऐसे ही मौकों पर ही ढूढा जा सकता है बशर्ते हम व्यंग्य एवं भद्दी मजाक भरी बातों का इस्तेमाल न करें। सम्मेलनों में अपने अपने विचार एवं भाव से लोगों का मन जीता जा सकता है। अत: हम अपने विचारों की कीमत समझें और उन्हें अर्थहीन न बनायें। अपने ही स्वजाति बंधु को चार की आठ सुनाता है। कई बंधु हर बात में टांग अड़ाते है जो आधी रोटी पर दाल लेने जैसी सोच ही कही जा सकते है। अच्छा तो यही है कि हम बिन मांगे सलाह ही क्यों दे ? मीटिंगों, गोष्ठियों में मेशा दूसरों के विचारों को सुने और गम्भीरता से उन पर विचार भी करें। कहीं कहीं बहुत ही सामान्य बात को गहराई से समझने की भूल के कारण आत्मग्लानि की स्थिति उत्पन्न हो जाया करती है। तब एक दूसरे को चेतावनी देने और निपट लेने का चैलेन्ज दे दिया जाता है जो सर्वथा अनुचित लगता है। लोग अपनी सम्पन्नता पर इतरा कर एक दूसरे की बातों का बहिष्कार कर देते है और सामाजिक सीमाओं का भी उल्लंघन भी कर बैठते है। जिससे कर्मठ एवं सत्यनिष्ठ लोगों की नींद हराम हो जाती है। इसीलिए यही महत्वपूर्ण है कि दूसरों की न तो मजाक उड़ाए और न ही व्यंग्य से किसी का मन दुखाएं। बल्कि समा के हित साधने में अपनी शक्ति लगाएं। संसार में विशाल दृष्टिकोण रखकर जो अच्छा है नूतन है, अनुकरणीय है, अद्भुत है और सुन्दर है उसे ही जानने समझने और परखने का कोई भी अवसर हाथ से न जाने दें।

मनीष गहलोत
प्रधान सम्पादक

भीनमाल में संतश्री लिखमीदास सेवा संस्थान के तत्वावधान में
माली समाज जिला जालोर का प्रतिभा, भामाशाह एवं समाज सेवी सम्मान समारोह का आयोजन
समारोह में कुल 578प्रतिभाओं को सिल्वर मेडल, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदानकर किया सम्मानित

हम केवल साक्षर हुए है, हमें शिक्षित हो समाज को द्रुतगति से आगे बढ़ाना होगा – श्री सत्यनारायण सिंह

भीनमाल, 2 सितम्बर। आज भी पिछड़े क्षेत्रों में हमारे समाज में अनेक कुरितियों का चलन जारी है, जिनमें बाल विवाह, मृत्यु भोज विद्यमान है जिन्हें दूर करना होगा। वर्तमान में जब जमाना द्रुत गति से दौड़ रहा है तब हमारा समाज रेंगने की कोशिश कर रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि आज भी केवल साक्षर हुए है शिक्षित नहीं। यह बात डाँग क्षेत्रिय विकास बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सत्यनारायणसिंह सैनी ने आज यहां संत श्री लिखमीदास सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित माली समाज के जिला प्रतिभा, भामाशाह एवं समाज सेवी सम्मान समारोह में कही।

उन्होंने कहा कि सही मायनों में हम तब शिक्षित होगें जब हमारे समाज में उच्च शिक्षित, प्रशासनिक पदों पर आसीन, बड़े-बड़े उद्योगपति या वैज्ञानिक होगें। डॉ. सैनी ने कहा कि आज समाज के भामाशाहों को मन्दिरों में नहीं शिक्षा के मन्दिरों या छात्रावासों में अपना योगदान देना चाहिए। जिससे समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े तबके के विद्यार्थी वहां शिक्षार्जन कर अपने भविष्य का निर्माण कर सकें। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने जीवन का उद्देश्य बनाते हुए अपना भविष्य तय करना होगा। आज हमें उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाने पड़ेगे। उन्होनें कहा कि सरकारी सेवा प्रतिष्ठा द्योतक है, सरकारी सेवक के साथ-साथ उसके परिवार व समाज की प्रतिष्ठा भी बढ़ती है।

समारोह का आगाज मनीषा मण्डादे, अलका सैनी व शांताबेन पढियार ने संत लिखमीदास महाराज, महात्मा ज्योति बा फूले एवं सावित्रि बाई फूले की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत में भारती ज्ञान मंदिर की बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अतिथि स्वागत की परम्परा में सभी अतिथियों को साफा, माला, शॉल व स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत किया गया।

समारोह के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री तथा अमरपुरा स्थित संत लिखमीदास स्मारक विकास संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि आजादी के बाद हमारा समाज निरन्तर प्रगति कर रहा है, शिक्षा और राजनीति के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे है मगर आज आवश्यकता है कि पूरे राष्ट्र में माली सैनी समाज का सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक एकता का मंच बने। गहलोत ने कहा कि आज हमारे समाज में से आईएएस, आईपीएस और अन्य प्रशासनिक सेवाओं के उच्च पदों पर समाज के व्यक्ति आसीन हो इसलिए हमें शिक्षा के क्षेत्र में ओर जोर

देना होगा। गहलोत ने कहा कि समाज में बालक-बालिका का जो अनुपात घट रहा है इस हेतु हमें कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध हमें जनचेतना लानी होगी।

इन्दौर से आई श्रीमती अलका सैनी ने कहा कि हमे प्रथम शिक्षिका सावित्रि बाई फूले के पदचिन्हों पर चलते हुए केवल अपने समाज को ही नहीं बल्कि सभी को शिक्षित करने का संकल्प लेना होगा और यह तभी संभव है जब हम शिक्षित होगें। श्रीमती सैनी ने कहा कि महिलाओं को अपना हक पाने के लिए इंतजार नहीं करना है बल्कि हक मांगने के लिए अपना हक अधिकारपूर्वक लेना है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर चुन्नीलाल सैनी ने राजस्थानी में अपना उद्‌बोधन देते हुए कहा कि अमरपुरा में संत लिखमीदास महाराज रे स्मारक विकास वास्ते पूरा समाज ने आगे आवणो पड़सी। समाज रे विकास हेतु समाज रा आगेवान लोगों रा समर्थन समाज रा सगला भेदभाव मिटार करणो चाहिजे। सैनी ने कहा कि आज अग्रणी लोगों री प्रतिष्ठा रो लाभ सगलो माली समाज ने मिले है। उन्होनें कहा कि आदमी ने मजबूत इण वास्ते बणणो चाहिजे कै जरूरत माथे वो दूजां लोगों रो सहयोग कर सके। झुंझनु से आए बनवारी लाल सैनी ने कहा कि प्रतिभावान व्यक्तियों को चाहिए कि समाज के प्रत्येक उस व्यक्ति का समर्थन करे जो राजनीति, शैक्षिक अथवा सामाजिक क्षेत्र में अच्छा कार्य कर कर रहा है। सैनी ने कहा कि इस कार्यक्रम की सार्थकता तभी संभव हो पायेगी जब हम यहां से यह संकल्प लेकर जाये कि हम सकारात्मक सोच के साथ समाज के हित की बात करेगें।

मुम्बई से आई मनीषा मण्डादे ने कहा कि सामाजिक चेतना के साथ-साथ हमें मानव व राष्ट्र हित में पर्यावरण के प्रति सार्थक कार्य करने होगें। उन्होंने कहा कि वर्तमान के युग में हम पर्यावरण के प्रति निष्ठुर और अंधे बन गये है। मण्डादे ने कहा कि आज हमें पर्यावरण के दुश्मन पॉलीथिन आदि जैसे कारकों के विरूद्ध समाज में जागृति लानी होगी। महात्मा ज्योति बा फूले जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोती बाबा फूले ने कहा कि प्रतिभाओं, भामाशाहों एवं समाज सेवियों के सम्मान समारोह की सार्थकता तभी साबित होगी जब हम समाजहित में अपने कर्तव्यों को निभाते हुए अपनी माताओं, बहनों एवं बालिकाओं को पूर्ण शिक्षित कर उनका भविष्य का निर्माण करेगें। समारोह में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भभूताराम सोलंकी ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज हमेशा अपने व्यक्तिव को आगे बढ़ाने में अग्रणी रहता है, यह कार्यक्रम भी प्रतिभाओं, भामाशाहों एवं समाज सेवियों का सम्मान कर अपना समाज ऋण उतार रहे है। सोलंकी ने कहा कि पूरे प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश मे समाज का स्थान अग्रणी हो। ओमकार कच्छवाह ने कहा कि ऐसे सामाजिक सम्मेलन जहां एकता का संदेश देते है वहीं आज की भागमभाग के दौर में स्नेह मिलन व प्रतिभा सम्मान को बढ़ावा मिलता है। प्रेमराज सोलंकी ने कहा कि समाज को राजनीति में अपने लोगों का सहयोग कर उन्हें आगे बढ़ाना होगा तभी समाज को राजनैतिक रूप से संरक्षण मिल पायेगा। राजनीति में पार्टी स्तर से ऊपर उठकर हमें सहयोग करना होगा।

समारोह में महिला महाविद्यालय जालोर के प्रवक्ता बाबूलाल देवड़ा, नागौर से उद्योगपति महेन्द्र परिहार, जोधपुर से माली-सैनी सन्देश के सम्पादक मनीष गहलोत, डीसा से डॉ. देवीन भाई, सिरोही जिला परिषद् सदस्य पुखराज सोलंकी, किसान नेता भगवानाराम सुन्देशा, नपा उपाध्यक्ष जयरूपाराम माली व जी.एम.परमार अतिथियों के रूप में मौजूद थे। समारोह में अशोककुमार सुन्देशा बैंगलोर, शंकरलाल साँखला बैंगलोर, वचनाराम परिहार चैन्नई, भीमाराम चौहान होसूर, दिनेशकुमार सुन्देशा चाईना, अशोककुमार सुन्देशा डीसा, गंगाराम सुन्छेशा भालनी, तलसाराम सोलंकी उम्मेदाबाद, छगनाराम गहलोत उम्मेदाबाद व शंकरलाल सुन्देशा उम्मेदाबाद मौजूद थे।

संतश्री लिखमीदास सेवा संस्थान के सचिव भंवरलाल सोलंकी ने सभी का आभार जताया। समारोह का संचालन पारसमल सांखला एवं शीला परमार ने किया। समारोह में 578 प्रतिभाओं को सिल्वर मेडल, स्कूल बैग व प्रशस्ति पत्र प्रदानकर सम्मानित किया गया। समारोह में 54 भामाशाहों, 12 चिकित्सकों एवं 18 समाजसेवियों का अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में महात्मा ज्योति बा फूले मंच के प्रदेश सचिव नाथू सोलंकी जालोर, रामजीराम चौहान, जबराराम सोलंकी, चौथाराम सुन्देशा, संस्थान के सरंक्षक छगाराम सांखला, अध्यक्ष प्रभुराम सांखला, उपाध्यक्ष बाबूलाल आर परमार, कस्तुराराम सुन्देशा, चुन्नीलाल सांखला, बाबूलाल सुन्देशा, भभूताराम परमार, रामेश्वरलाल गहलोत, रमेशकुमार ऊनड़ी, दुर्गाराम सोलंकी, सांवलाराम सुन्देशा, जीवराज सुन्देशा, नेशन फॉर यूथ के अध्यक्ष किशोर सांखला, मूलाराम तिलोड़ा, माली युवा मंडल के अध्यक्ष मांगीलाल गहलोत, भावाराम सोलंकी, दुर्गाराम सोलंकी, उमेश परमार सहित माली समाज के सैकड़ो लोग व महिलाएं मौजूद थी। समारोह में बड़ी तादाद में छात्र-छात्राओं ने अपनी उपस्थिति दी।

भोजन प्रसादी: समारोह के लिए इस बार भोजन प्रसादी की व्यवस्था श्री रामजीराम चतराजी चौहान निवासी लाखणी हाल-मानगांव (मुंबई) द्वारा की गई थी। इस अवसर पर चौहान के माता-पिता श्रीमती सुबटीदेवी एवं श्री चतराजी चौहान तथा श्रीमती दरियादेवी चौहान, नरेश, डिम्पल एवं ममता सहित उनके कई परिजन उपस्थित थे। समारोह में श्रीमती सुबटीदेवी, श्री चतराजी चौहान, श्री रामजीराम चौहान एवं श्रीमती दरियादेवी का अतिथियों द्वारा बहुमान किया गया।

स्कूल बैग :- समारोह में इस बार प्रतिभाओं को प्रदान किये गये स्कूल बैग वितराण के लाभार्थी श्री जबराराम भारताजी सोलंकी निवासी उम्मेदबाद हाल-बैंगलोर रहे। श्री सोलंकी द्वारा बढिया क्वालिटी के 600 स्कूल बैग का वितरण किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा श्री जबराराम सोलंकी व श्री भारताराम सोलंकी का बहुमान किया गया।

स्मृति चिन्ह :- भीरु ग्रुप द्वारा भीनमाल में हर वर्ष आयोजित किये जाने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह में हर बार की भांति इस बार भी प्रतिभाओं व अतिथियों के लिये स्मृति चिन्ह की व्यवस्था श्री चौथाराम ताराजी सुन्देशा निवासी जालोर हाल-बैंगलोर द्वारा की गई। समारोह में अतिथियों द्वारा श्री चौथाराम एवं इनके बड़े भाई श्री मगाराम सुन्देशा का बहुमान किया गया।

भामाशाहों का सम्मान :- कार्यक्रम में कुल 54 भामाशाहों का बहुमान किया गया। सम्मानित होने वाले भामाशाह में वे व्यक्ति शामिल थे, जिन्होंने जिले में समाज हित में आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया था। सम्मानित होने

वाले भामाशाहों में श्री मालाराम जीवाजी सुन्देशा भीनमाल, श्री प्रभुराम भीमाजी साँखला भीनमाल, श्री छगनलाल भूराजी साँखला भीनमाल, श्री उकाराम केसाजी परिहार चान्दूर, श्री तोलाराम जयरुपजी सुन्देशा धानसा, श्री अमराराम धूड़ाजी सोलंकी केशवणा, श्री भंवरलाल किस्तुरजी सोलंकी भीनमाल (शिवशक्ति), श्री चौथाराम ताराजी सुन्देशा बैंगलोर, श्री जबराराम भारताजी सोलंकी बैंगलोर, श्री रामजीराम चतराजी चौहान लाखणी, श्री फौजाराम थानाजी परिहार भीनमाल, श्री मांगीलाल वीठाजी परमार भीनमाल,

समाजसेवी सम्मानः- समारोह में समाज सेवी श्री हंजाराम वेलाजी परमार भीनमाल, श्री डूँगरचन्द खेतारामजी पंवार, बालोतरा, श्री नेथीराम भलाजी सुन्देशा तिलोड़ा, श्री वजाराम ओटारामजी देवड़ा जसवन्तपुरा, श्री जवानमल धीराजी सुन्देशा हड़मतिया, श्री करनाराम मोतीजी साँखला सायला, श्री रूपाराम सवाजी गहलोत पावली, श्री पीराराम पूनमाजी गहलोत सांचौर, श्री गणेशाराम राजाजी सुन्देशा सांचौर, श्री पूनमाराम हरकाजी परिहार ऊनड़ी, श्री सवाराम वीरमाजी परिहार आसाणा व श्री हंजाराम हीराजी सुन्देशा पोषाणा का

माली सैनी संदेश की और से निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा के लिए दो कम्प्यूटर सैट भेंट

भीनमाल। प्रतिभा सम्मान समारोह में माली सैनी संदेश ने समाजिक सरोकर निभाते हुए भीनमाल में विद्यार्थियों के कम्प्यूटर शिक्षण हेतु दो कम्प्यूटर सैट वर्तमान युग में कम्प्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भेंट किये गये। इस अवसर डांग क्षेत्रीय विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण सिंह सैनी(पूर्व आई.ए.एस.), पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, महात्मा फूले राष्ट्रीय जागृति मंच के अध्यक्ष श्री मोतीलाल सांखला।

संत लिखमीदास स्मारक संस्थान के उपाध्यक्ष श्री ऊँकारराम कच्छवाहा, डीसा से डॉ. देविन पड़िहार, किसान नेता श्री भगवानाराम माली, मुंबई से डॉ. मनीषा मण्डादे, इंदौर से श्रीमती अलका सैनी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री चुन्नीलाल सैनी सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। भीरू ग्रुप के सचिव श्री भंवरलाल सोलंकी ने संस्था की तरफ से कम्पूयटर सेट प्राप्त किये।

श्री रूपचन्द उकाजी परिहार कोल्हापुर, श्री जोईताराम चेलाजी सुन्देशा उम्मेदाबाद, श्री गलबाराम जयरुपजी सुन्देशा धाणसा, श्री बाबूलाल भैराजी परमार भीनमाल, श्री प्रतापाराम हीराजी सोलंकी दासपां, श्री कस्तुरमल खुमाजी सोलंकी भीनमाल, श्री रणछोड़ाराम रुपाजी परमार भीनमाल, श्री ओखाराम प्रागाजी गहलोत भीनमाल, श्री मोडाराम देवाजी सांखला पोषाणा, श्री रूपराम मांगीलाल जी सुन्देशा, श्री अजाराम कुम्भाजी गहलोत धुम्बडीया, श्री चुन्नीलाल हरकाजी सांखला भीनमाल, श्री जीवराज छोगाजी सुन्देशा भीनमाल, श्री लहरचन्द चतराजी सोलंकी उम्मेदाबाद, श्री रमेशकुमार मोनारामजी परिहार ऊनड़ी, श्री भीमाराम भूराजी सांखला भीनमाल, श्री मूंगाराम प्रेमाजी सुन्देशा तिलोड़ा, श्री मांगीलाल खसाजी परिहार ऊनड़ी, श्री वागाराम मगाजी सुन्देशा भनमाल, श्री दुर्गाराम मोतीजी सोलंकी भीनमाल, श्री सांवलाराम खेताजी सांखला, भीनमाल, श्री वचनाराम दीपाजी सुन्देशा भीनमाल व श्री सांवलाराम मगाजी सुन्देशा भीनमाल थे। समारोह में हर बार की तरह इस बार भी बस व्यवस्था के लाभार्थी परिवार श्रीमती पदमादेवी प्रेमसिंह जी गहलोत, हनुमान ट्रेवल्स भीनमाल रहे। समारोह में अतिथियों द्वारा इनका बहुमान किया गया।

बहुमान किया गया।

चिकित्सक सम्मानः- समारोह में मानव मात्र के लिए प्रयासरत व चिकित्सा द्वारा अपनी सेवाएं देने वाले चिकित्सक डॉ. परेश आर. सोलंकी डीसा, डॉ. राहुल एम. चौहानडीसा, डॉ. अंकित जी. माली डीसा, डॉ. बिनल ए. माली डीसा, श्री प्रकाश गहलोत डीसा, आयुवेर्दिक चिकित्सक डॉ. हंसाराम सोलंकी उम्मेदाबाद, डॉ. खुशाल सुन्देशा सांथु व डॉ. प्रेमराज परमार भीनमाल का सम्मान किया गया।

जनप्रतिनिधि सम्मानः- समारोह में जिले के माली समाज जन प्रतिनिधियों में से उपस्थित श्री जयरुपाराम सुन्देशा, उपाध्यक्ष न.पा., भीनमाल, श्री गंगाराम परमार, उपाध्यक्ष न.पा., सांचौर, श्रीमती मंजूदेवी गहलोत, अध्यक्ष कृषि उपजमंडी, जालोर, श्री जेठाराम परमार, उपाध्यक्ष, कृषि उपजमंडी, भीनमाल, श्री अमराराम परमार, सदस्य, कृषि उपजमंडी, सांचौर, श्रीमती बबीतादेवी परमार, पार्षद न.पा., भीनमाल, श्रीमती सुन्दरदेवी परमार, पार्षद न.पा., भीनमाल, श्री रूड़ाराम परमार, सरपंच, ग्राम पंचायत हरीयाली, श्री ल%छीराम परमार, पं. स. सदस्य, उम्मेदाबाद, श्री भडाराम परिहार, पं. स. सदस्य, धुम्बडिया का सम्मान किया गया।

संस्थान के आम चुनाव 6 जनवरी, 2013 को

जोधपुर भवन धर्मशाला, हरिद्वार की आम सभा संपन्न

जोधपुर 26 अगस्त। माली समाज हरिद्वार की धर्मशाला जोधपुर भवन की आम सभा आज सुमेर स्कूल प्रांगण स्थित संत रामसिंह भाटी मेमोरियल हॉल में सुमेर शिक्षण संस्थान के सचिव श्री किशोर सिंह परिहार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। इस अवसर पर पूर्व महापौर डॉ. ओमकुमारी गहलोत विशिष्ट अतिथी थी। संस्थान के अध्यक्ष श्री भगवान सिंह गहलोत, उपाध्यक्ष श्री प्रेमसिंह देवड़ा, कोषाध्यक्ष श्री बाबूलाल पंवार तथा संस्थान के ट्रस्टियों ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई।

आम सभा में संस्थान के सचिव श्री किशोर सिंह सांखला ने हरिद्वार धर्मशाला में गत वर्ष में किये गये विकास कार्यो के बारे में उपस्थित संस्थान के ट्रस्टियों और आजीवन सदस्यों के बारे में बताया कि संस्थान के आजीवन सदस्यों में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है तथा वर्तमान में संस्थान के आजीवन सदस्यों की संख्या 2421 हो गई है। श्री किशोर सिंह सांखला ने बताया कि भवन नम्बर 2 में 8 व्यक्तियों के भार सहने वाली 11 लाख रूपये की ओटीएस कम्पनी की लिफ्ट यात्रियों की सुविधा के लिए लगाई गई है इसके साथ ही जोधपुर भवन नं. 1 व भवन नं. 2 में दो 63 केवीए के सांइलेंट जनरेटर लगाए गये है। साथ ही धर्मशाला में 3 अग्निशमन यंत्र भी लगाए गए है।

धर्मशाला की आय के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री श्री किशोर सिंह सांखला ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष श्री ब्रह्मसिंह परिहार के सुझाव यात्रियों से अनुदान राशि लेने के कारण धर्मशाला की आर्थिक सृदृढ़ हुई है तथा धर्मशाला की आय दुगनी हुई है इसके लिए सभी ट्रस्टीगण श्री ब्रह्मसिंह परिहार का हार्दिक आभार प्रकट करते है। सभा में उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने इस पर हर्ष ध्वनि से श्री ब्रह्मसिंह परिहार का आभार प्रकट किया। संस्थान मंत्री ने बताया कि भवन नं. 1 में 800 बिस्तरों का नया सैट लगाऐ है साथ ही 1 एलसीडी व 4 नए वाटर कूलर लगाए है अब यहां कुल 7 वाटर कूलर यात्रियों की सुविधा के लिए लगाए गए है। इसके साथ ही मंत्री महोदय ने बताया कि भवन नं. 1 व दो में कुल 41, 847 यात्रियों ने यहां पर ठहर कर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ लिया। जिसमें भवन नं. 1 में कुल 35419 व भवन नं. 2 में 6518 यात्री यहां पर ठहरे। मंत्री महोदय नं संस्थान द्वारा हाल ही में 30 लाख रूपये की एफ.डी. कराने की भी जानकारी सदन को दी।

इस अवसर श्री राजेन्द्र भाटी को आगामी चुनावों में चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। श्री राजेन्द्र भाटी ने सभी को बताया कि 6 नवम्बर, 2012 तक बने सदस्य आगामी चुनाव जो कि 6 जनवरी, 2013 को होगे उसमें भाग ले सकेगें। इस मतदान के दौरान जो सदस्य दिनांक 6 जनवरी, 2013 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका होगा वही चुनाव में भाग ले सकेगा। इसके साथ ही चुनाव अधिकारी श्री राजेन्द्र भाटी ने स्पष्ट किया कि जो भी संस्थान का सदस्य है वह अपने परिचय पत्र को अवश्य चुनाव के समय साथ रखे अन्यथा उन्हें चुनाव में मतदान देने नहीं दिया जायेगा। श्री राजेन्द्र भाटी के इस प्रस्ताव पर संस्थान के ट्रस्टी डॉ. चिमन सिंह परिहार ने समर्थन करते हुए कहा कि इस का शक्ति से पालन होना चाहिए जिससे की समाज में एक अच्छी परम्परा हो तथा कोई दूसरा व्यक्ति सदस्य का वोट नहीं डाल पायें।

इस अवसर पर धर्मशाला में आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले दानदाताओं का सम्मान किया गया। दानदाता श्री मदनसिंह सांखला, श्री ब्रह्मसिंह गहलोत, श्री हेमंत गहलोत, श्री रामलाल गहलोत, श्री मदनसिंह गहलोत, श्री रामकिशोर सांखला इन सभी दानदाताओं ने संस्थान को 1 लाख 1 हजार रूपये की राशि प्रदान की इसके साथ ही श्री माधोसिंह सांखला ने 2 लाख 2 हजार रूपये, श्रीमती सीतादेवी गहलोत धर्मपत्नी स्व. श्री अचलूराम गहलोत ने 2 लाख 2 हजार रूपये, श्री जयसिंह गहलोत ने 1 लाख 51 हजार रूपये, श्री जगदीश सिंह सांखला ने 1 लाख 51 हजार रूपये की आर्थिक सहायत संस्थान को प्रदान करने पर संस्थान द्वारा मुख्य अतिथी श्री किशोर सिंह परिहार एवं विशिष्ट अतिथी पूर्व महापौर डॉ. ओमकुमारी गहलोत के कर कमलो द्वारा साफा, शॉल, एवं मोमेण्टों प्रदान कर आभार प्रकट किया गया।

इस अवसर पर इंजिनियर श्री अर्जुन सिंह भाटी के द्वारा भवन नं. 2 के निर्माण

में दी गई नि:स्वार्थ सेवा के लिए साफा, माला एवं मोमेण्टो दे कर सम्मानित किया गया। श्री अर्जुन सिंह भाटी ने भविष्य में भी हर संभव सहायता प्रदान करने एवं अपनी सेवाएं देने का ऐलान किया जिसका सदन ने करतल ध्वनि से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर एक्यूप्रेशर की नि:शुल्क सेवाएं देने वाले श्री राजेन्द्र सांखला एवं प्रीति सांखला को भी संस्थान द्वारा उनकी सेवाओं के लिए आभार प्रकट करते हुए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथी श्री किशोर सिंह परिहार ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में संस्थान के कार्यकलापों की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए पदाधिकारियों एवं ट्रस्टियों का हौसंला बढ़ाया। विशिष्ट अतिथी डॉ. ओमकुमारी गहलोत ने अपने उद्‌बोधन में संस्थान के परिवार में मातृशक्ति को उचित स्थान की बात कही तथा संस्थान की वर्तमान कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों के द्वारा किये गये विकास कार्या की मुक्तकंठ से प्रंशसा की। संस्थान के अध्यक्ष श्री भगवान सिंह गहलोत ने अंत में सभी का आभार प्रकट करते हुए बताया कि संस्थान के पदाधिकारियों, ट्रस्टियों एवं दानदाताओं एवं आजीवन सदस्यों के सहयोग से आज हम सभी धर्मप्रेमियों को समुचित व्यवस्था प्रदान कर पा रहे है जिसके लिए मैं अपनी और से सभी का आभार प्रकट करता हूँ भविष्य में भी समाज के लिए हर संभव मदद करने के लिए तैयार रहूगा।

धर्मशाला के पूर्व पदाधिकारी श्री खूमसिंह गहलोत ने समाज के आरएएस श्री चेतन देवड़ा की सादगी का उदाहरण प्रस्तुत कर सभी को किया अंचभित।

संस्थान के पूर्व अधिकारी श्री खूमसिंह गहलोत ने अपने अनुभव बांटते हुए बताया कि उनके कार्यकाल में एक बार धर्मशाला में समाज के वरिष्ठ आर.ए. एस. श्री चेतन देवड़ा धर्मशाला में आकर ठहरें परंतु उन्होंने अपने ओहदे का परिचय न देते हुए धर्मशाला में कमरा उपलब्ध नहीं होने पर हॉल में ही सभी समाजबंधुओं के साथ रात को सोए। जब मुझे (खुमसिंह गहलोत) पता चला तो मैं उनके पास गया तथा उन्हें कमरा उपलब्ध कराने की बात कही तो श्री चेतन देवड़ा ने बड़ी सादगी से मना करते हुए कहा कि ऐसा बहुत कम अवसर मिलता है कि हम हमारे समाज के सभी वर्गो के साथ एक साथ रहे व उनके बीच में मैं रहकर प्रसन्न हुआ।

श्री चेतन देवड़ा चाहते तो हरिद्वार डाक बंगले की सुविधाओं का लाभ उठा सकते थे लेकिन उन्होंने समाज के लोगों के साथ सामान्य व्यक्ति की तरह रह कर हमें एक अच्छा संदेश दिया है।

ऐसे भी कई सज्जन आते है जो अपने रूतबे एवं अपने पारिवारिक सदस्यों के द्वारा प्रदान किये गये आर्थिक सहयोग का हवाला देते हुए अपने लिए अलग से कमरा उपलब्ध कराने की बात कहते है तथा वहां उपस्थित व्यवस्थापाक से कभी कभी झगड़ा भी कर लेते है जबकि हम सभी को अपनी इस धर्मशाला में व्यवस्था बनाएं रखने में सहयोग करना चाहिए।

श्री खूमसिंह गहलोत ने संस्थान की बैठकों में ट्रस्टियों एवं सदस्य संख्या की कमी पर खेद प्रकट करते हुए कहा कि हमारे दानदाता तो बहुत संख्या में है लेकिन वे सदन में नहीं आते है अगर वे यहां उपस्थित हो तो सदन को अपना अमूल्य सूझाव भी दे सकते है साथ ही वर्ष भर में धर्मशाला में हुए विकास कार्यो की जानकारी भी प्राप्त कर सकते है। इसके अलावा भी संस्थान के सदस्यों ने अनेक उपयोगी सुझाव दिये जिसका सभी ने स्वागत किया।

चार दिन की नवजात अनाथ बच्ची का संस्था में स्वागत

अपनों द्वारा ठुकराई बच्ची को समाज गौरव श्री भगवान सिंह परिहार की संस्था ने अपनाया

जोधपुर। एक ओर जहां बच्चियों के जन्म पर उन्हें मार दिया जाता है या लावारिश छोड़ दिया जाता है वहीं समाज से बिना वजह तिरस्कृत की गई मासूम को पालने में अग्रणी संस्था लवकुश बाल विकास केन्द्र न सिर्फ उनको पाल पोसकर बड़ा करता है साथ ही उनकी शिक्षा, विवाह एवं सभी सामाजिक रीति रिवाजों को पूरा कर उन्हें सभ्य समाज में जीने का हक दे रहा है।

अनाथ बच्चों के इसी आशियानें लव कुश बाल विकास केन्द्र के आंगन में संवरते नवजातों की संध्या में गुरूवार को तब इजाफा हो गया जब शाम छह बजे यहां एक और नन्हीं परी ने खुशियों की दस्तक दी। चार दिन की इस नवजात को केन्द्र में प्रवेश के साथ ही नाम भी दिया गया। यहां आने के बाद नॉर्मल स्वास्थ्य वाली इस परी ने जैसे ही अधखुली आंखों से निहारते हुए मंद मुस्कान बिखेरी, केन्द्र की केयर टेकर व मदर्स के चेहरों से खुशी के साथ ममता भरे भाव झलकने लगे। इनमें से किसी ने बच्ची के गाल पर अंगुलियों से स्पर्श किया तो किसी ने उसके सिर पर दुलार भरा हाथ फेरा। कुछ न तो उसे गोद में उठाकर सीने से लगा लिया। सबके प्यार-दुलार और एक से दूसरी गोद में जाने का यह सिलसिला लगभग चार-पांच मिनट तक चलता रहा। इस दौरान यह नन्हीं परी उन्हें टुकुर-टुकुर निहारती रही। इस मासूम ने लव कुश बाल विकास केन्द्र में अपने पहले 24 घंटे किस तरह बिताए, इस बारे में केन्द्र के संचालक श्रीमान भगवान सिंह परिहार से जानकारी ली।

उत्साह से कर रहे थे इंतजार :

केन्द्र में मासूम के हॉस्पिटल से आने का बेसब्री से इंतजार हो रहा था। यहां की मदर्स हॉस्पिटल में मौजूद मदर से लगातार बच्ची के हाल-चाल पुछकर जानकारी ले रही थी। गुरूवार की शाम छह बजे जैसे ही यह नवजात केन्द्र में पहुंची, वहां मौजूद सभी लोगों की नजरें कुछ देर तक उसी पर टिकी रही।

यहां लाने के बाद इस बच्ची को सबसे पहले इंटेसिव केयर वार्मर रूम में ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसका चैकअप किया। इस दौरान उसका टेंपरेचर मैंटेन रखा गया ताकि बच्ची को सांस लेने में किसी प्रकार की समस्या नहीं आए। वार्मर रूप में नर्सेज की निगरानी के बीच उसे लगातार केयर मिलती रही। इस दौरान बच्ची कभी सोती और कभी उठती रही। वार्मर रूम में घंटा भर रखने के बाद जब इस बच्ची को बाहर लाया गया तो वह भूख से बार-बार मचल रही थी। ऐसे में उसे थोड़ी-थोड़ी देर में दूध पिलाया गया। इसके बाद बच्ची की साफ सफाई करने के बाद उसे गुलाबी फ्रॉक पहनाई गई। तब तक थकी हुई यह नवजात नींद की गोद में दुबक गई और कई घंटों तक सोई रही।

बच्ची रात भर आराम से सोती रही लेकिन दूध पीने के लिए बीच-बीच में उठती रही। मदर्स ने बताया कि शुक्रवार को सुबह पांच बजे उसकी नींद फिर खुल गई। इस दौरान वह पालने में लेटी खेलती और मुस्कराती रही। आश्रम में मौजूद नर्स ने बताया कि मदर्स ने उसकी घरेलू तरीके से मसाज की, जैसे एक मां अपने बच्चे की करती हैं इसके बाद उसकी सफाई और कपड़े पहनाने के बाद डॉक्टर से चैकअप कराया गया जिन्होंने कहा कि नवजात अभी पूरी तरह स्वस्थ है।

इस नवजात के आने की खुशी केन्द्र में हर तरफ दिखाई दे रही थी। एक ओर यहां की मदर्स व केयर टेकर उसे प्यार कर रही थी वहीं यहां रहने वाले छोटे बच्चे भी नवजात के पालने के पास मंडरा रहे थे। कभी वे मासूम को हाथ से छूकर देखते तो कभी गोद में लेने की जिद करने लगते। नवजात के इस स्वागत की साक्षी स्पेन से आई सामाजिक कार्यकर्ता इजाबेला भी बनी। उसने बताया, '' इस बार मैं यहां आई तो माहौल में एक अलग तरह की खुशी नजर आ रही थी। थोड़ी ही देर में देखा कि एक नवजात ने यहां प्रवेश किया तो मैं भी इस खुशी में शामिल हो गई। मेरा मन इस बच्ची को देखकर दुखी भी होता रहा। लगा कि यह भी एक जिंदगी है, एक बच्ची आती है और एक बच्ची चली जाती है। मैनें चौबीस घंटे इस बच्ची के साथ एंजाय किया, इसे गाद में लिया और खिलाया।

समाज गौरव श्री भगवान सिंह परिहार की इस संस्था में पली बड़ी बच्चियों का विवाह धूमधाम से संपूर्ण रीति रिवाजों से अच्छे परिवारों में किया जाता है यही नहीं विवाह के बाद भी सभी जिम्मेवारी भी संस्था द्वारा उठाई जाती है। यानि की लड़की की विदाई होने के बाद लड़की के मां बनने पर पीहर की सारे जिम्मेदारी भी संस्था द्वारा उठाई जाती है।

स्पेन की इजाबेला की गोद में नवजात।

स्पेन की इजाबेला भी खुशी में शरीक हुई

नवजात के इस स्वागत की साक्षी स्पेन से आई सामाजिक कार्यकर्ता इजाबेला भी बनी। उसने बताया, 'इस बार मैं यहां आई तो माहौल में एक अलग तरह की खुशी नजर आ रही थी। थोड़ी ही देर में देखा कि एक नवजात ने यहां प्रवेश किया तो मैं भी इस खुशी में शामिल हो गई। मेरा मन इस बच्ची को देखकर दुखी भी होता रहा। लगा कि यह भी एक जिंदगी है, एक बच्ची आती है और एक बच्ची चली जाती है। मैंने चौबीस घंटे इस बच्ची के साथ एंजॉय किया, इसे गोद में लिया और खिलाया। मैं इसके लिए रेड कलर की फ्रॉक लाऊंगी।'

इसके अलावा भी आज की आधुनिक समाज में जो बड़े अपने बुर्जग माता पिता को बेसहारा करके छोड़ देते है या उनकी परवाह नहीं करते है उनके लिए भी श्री भगवान सिंह परिहार द्वारा आस्था संस्था चलाई जा रही है जहां ऐसे बुर्जगों को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। यहां उनके लिए पोष्टिक भोजन, रोजाना फिजयोथेरेपी, जिम, मार्निंग वॉक, पुस्तकालय, टी. वी., स्वास्थ्य जांच हेतु डॉक्टर सहित अनेकों ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है जो शायद उनको उनके परिवार के लोग भी उपलब्ध नहीं करा पाते होगे।

श्री भगवान सिंह परिहार के हाथों न जाने कितनी बच्चियों ने जीवन पाया है, धन्य है हमारा समाज जिन्होंने ऐसे सपूत को जन्म दिया जो जग की ठुकराई सैकड़ों बच्चियों को पाल पोसकर बड़ा कर मानवता की एक मिसाल बने है।

मानवता की मूर्ति श्री भगवान सिह परिहार की जितनी प्रंशसा की जाएं वह कम है उनके द्वारा किये जा रहे मानवता के कार्यो और उनकी कर्मठता से हमें शिक्षा लेनी चाहिए जो आज 82 वर्ष की उम्र में भी उसी जीवठता के साथ वो काम कर रहे है जो कि एक पिता अपने बच्चों को पालने पोसने के लिए करता है। यहां तक की यहां आने वाली हर बच्चे बच्ची के अभिभावक के रूप में पिता का नाम श्री भगवान सिंह परिहार का ही होता है। इस तरह सैकड़ों बच्चियों के पिता होने का गौरव भी श्री भगवान सिंह परिहार को जाता है जिनका नाम ही भगवान है परमात्मा ने ऐस पुनीत मानव को हमारे समाज में जन्म दे हमें गौरवान्वित किया है। हम आदरणीय श्री भगवान सिंह परिहार (बाऊजी) का हृदय के अंततल से आभार प्रकट करते है तथा परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करते है कि आप को दीर्घायु व स्वस्थ्य जीवन दे जो मानवता की सेवा आप निरंतर करते रहे।

समाज के युवा पत्रकार जयप्रकाश माली राज्य स्तर पर सम्मानित

उदयपुर 4 सितम्बर। शहर के युवा पत्रकार महका जगत के संपादक जयप्रकाश माली को पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया । युवा व जागरूक पत्रकारों के सशक्त संगठन राजस्थान पत्रकार परिषद् के वार्षिक समारोह में माली को यह सम्मान राजस्थान के नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने प्रदान किया ।

सम्मान स्वरुप माली को पगड़ी श्री फल और कलम का प्रतिक चिन्ह प्रदान किया गया । कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा, राजस्थान पत्रकार परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश शर्मा, पिंक सिटी प्रेस क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष एल एल शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार मोहम्मद यासीन, ईसमधु तलवार, गिरिराज अग्रवाल,सहित राजस्थान भर के पत्रकारों ने भाग लिया।

भूल सुधार

माली सैनी संदेश के अगस्त, 2012 के अंक में सुमेर शिक्षण संस्थान के 124 वे स्थापना दिवस के स्थान पर **सुमेर शिक्षण संस्थान के 114 वां स्थापना दिवस** पढ़ा जाए। इस त्रुटि के लिए संपादक मण्डल क्षमाप्रार्थी है।

धन्यवाद

संपादक

स्व. श्री मानसिंह देवड़ा की प्रथम पुण्य तिथी पर कई कार्यक्रम, वाहन रैली में दिखा उत्साह

रक्तदान के लिए उमड़ें युवा

स्व. श्री मानसिंह देवड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित करते जनप्रतिनिधि

जोधपुर 7 सितम्बर। श्री मानसिंह देवड़ा स्मृति संस्थान के तत्वावधान में शुक्रवार को आवासन मण्डल के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री मानसिंह देवड़ा की प्रथम पुण्यतिथि पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया तो सैकड़ों की संख्या में युवाओं ने विशाल वाहन रैली निकाली जिसमें लोगों का हुजुम उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने भी श्रद्धांजलि संदेश भेजा।

मंडोर सेटेलाइट अस्पताल के सामने सुबह नौ बजे तक बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता व कांग्रेसजन एकत्र हो गए थे। कुछ देर बाद जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी ने वाहन रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली लालसागर, कृषि मंडी चौराहा, महामंदिर चौराहा, पावटा चौराहा, सोजती गेट चौराहा, जालोरी गेट चौराहा, पांचवी रोड़ चौराहा और बाहरवीं रोड़ चौराहा होते हुए देवड़ा के निवास स्थान पर पहुंची। रैली में दुपहिया व चारपहिया वाहनों पर सवार युवा एवं कांग्रेसजनों के साथ माली समाज के लोगों ने मानसिंह देवड़ा जिदांबाद और देवड़ा अमर रहे जैसे नारे लगा रहे थे। पूरे रास्ते में लोग जगह - जगह रैली रूकवाकर खुली जीप पर लगी स्व. देवड़ा की तस्वीर के समक्ष श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। अधिकतर लोग रैली के साथ ही रवाना हो गए।

सुबह ग्यारह बजे देवड़ा के निवास स्थान पर पहुंचते ही रैली पुष्पांजलि कार्यक्रम में तब्दील हो गई। संस्थान के सदस्य व पार्षद श्री मंयक देवड़ा ने बताया कि देवड़ा की पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में सर्वप्रथम देवड़ा की सुपुत्री श्रीमती कुंती परिहार ने रक्तदान किया। इसके बाद युवाओं में रक्तदान के लिए होड़ सी मच गई शिविर के निर्धारित समय तक 500 युवाओं ने रक्तदान किया। इसके बादभी रक्तदान के लिए आने वाले युवाओं का सिलसिला जारी था। रक्तदान के लिए जोधपुर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ता, कांग्रेसजन माली समाज के युवा, एनएसयूआई के कार्यकर्ता, युवा कांग्रेस सेवादल, महिला कांग्रेस समेत आमजन ने उत्साह दिखाया।

पुष्पांजलि कार्यक्रम में देवड़ा की पत्नी श्रीमती बंसत कंवर, महापौर श्री रामेश्वर दाधिच, जिला प्रमुख श्रीमती दुर्गा बलाई, शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री सईद अंसारी, पूर्व विधायक श्री जुगल काबरा, श्री भंवर बलाई, उप महापौर न्याज मौहम्मद, पूर्व न्यासी, पार्षदगण सहित हजारों लोगों ने श्री मानसिंह देवड़ा की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

स्वर्गीय श्री मानसिंह देवड़ा को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने श्रद्धाजलि अर्पित की। सूरसागर विधायक श्रीमती सूर्यकांता व्यास, शहर विधायक श्री कैलाश भंसाली, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष श्री नरेन्द्र कच्छवाहा, पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, पूर्व महापौर श्री राजेन्द्रकुमार गहलोत सहित भाजपा के पार्षद, पूर्व न्यासी एवं युवा कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय श्री मानसिंह देवड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित की। माली सैनी संदेश परिवार स्वर्गीय देवड़ा को श्रृंद्धाजलि अर्पित करते हुए, सभी से अपील की है कि हम स्व. श्री मानसिंह देवड़ा के बतायें मार्ग पर चल कर उनकी जनसेवा के कार्यो को आगे बढ़ाये तभी उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जोधपुर के विकास पुरूष स्व. श्री मानसिंह देवड़ा

छोड़ गए अमिट छाप

कल्याणकारी कार्यो से बनाया इतिहास

पहले सामाजिक संगठनों में भागीदारी और फिर एक वोट की बढ़त से राजनीति की दहलीज पर कदम। कदम बढ़ते गए और मंजिल मिलती गई, लेकिन लक्ष्य पीछे नहीं छोड़ा। जोधपुर के आधुनिक शहर बनाने के लिए खूब नवाचार किया। उन्हें आधुनिक जोधपुर का जनक कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। राजनीतिक जीवन के साथ उन्होंने सामाजिक सरोकार को भी बखूबी निभाया। श्री मानसिंह देवड़ा उन लोगों में से थे जो किसी के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलकर चलते थे। व्वहार कुशल कार्य में दक्ष, पीड़ितों के मददगार, समाजसेवा का समर्पण जैसे अनेक गुणों से भरे श्री मानसिंह देवड़ा के व्यक्तित्व का कोई मुकाबला नहीं था। तभी तो हर कोई उनके व्यक्तित्व से आज भी प्रभावित है। श्री मानसिंह देवड़ा के पास ऐसी कला थी कि वे अपनी बात पर आम जन को सहमत कर लेते थे। उन्हें पता था कि वे लोगों की भलाई के लिए काम कर रहे है। लोगों को उनमें विश्वास था। श्री देवड़ा ने आम जन के इस विश्वास को कभी टूटने नहीं दिया।

जोधपुर इतिहास लिखने वाला इतिहासकार कहलाता है लेकिन जनकल्याणकारी कार्यो से इतिहास रचने वाले वीर सपूत कहा जाता है । महान जनसेवक मानकर लोग उसे युगों-युगों तक याद करते है, उनका अनुसरण करने का भी प्रयास करते हैं।अपने 40 वर्ष के राजनीतिक जीवन में श्री मानसिंह देवड़ा ने कुछ ऐसा ही किया है। ऐसे कई जनोपयोगी कार्यो को मूर्त रूप दिया, जो सदियों तक याद रहेगा। देवड़ा ने न केवल अच्छे राजनीतिज्ञ बल्कि अच्छे दोस्त व समाज सुधारक रहे। मयूर क्लब मंडोर के माध्यम से चिकित्सा शिविरों का आयोजन करवाकर जन-जन को लाभान्वित किया और सामाजिक रिश्तों की डोर को मजबूत किया। आवासन मंडल अध्यक्ष पद पर रहते हुए श्री मानसिंह देवड़ा ने अनेकों अनुकरणीय कार्य किए, जो मिसाल बन गए है। गुजरात वर्ष 2001 में भूकम्प से प्रभावित रहा, सैकड़ों मकान धाराशायी हो गए। राजस्थान सरकार ने भूकम्प पीड़ितों के पूनर्वास के का निर्णय किया। उस समय भी श्री अशोक गहलोत मुख्यमंत्री थे, जिनके निर्देश पर आवासन मंडल ने इस कार्य का बीड़ा उठाया और तीन गांव चन्द्राणी, वरसाना, कान्याबे को गोद लिया। भुज से करीब 39 किमी दूर चन्द्राणी गांव में विभिन्न श्रेणियों में 233 मकानों का निर्माण, कान्याबे में 365 और वरसाना में 125 मकानों का बेहतरीन निर्माण करवाया। इसकी काफी सराहना हुई और 14 जून, 2002 को श्रीमती सोनिया गांधी ने चन्द्राणी गांव में योजना का उद्घाटन किया।

श्री मानसिंह देवड़ा मान पीड़ा को दिल से महसूस करते थे, यही कारण है कि वर्ष 1981 की अतिवृष्टि में उन्होंने शहर से करीब 1 लाख रूपये की राशि जनसहयोग से एकत्र कर तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवचरण माथुर को जयपुर जाकर भेंटकर करके आए। शहर के विकास की बातें करना तो बहुत आसान है, मगर इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना बेहद कठिन है, इस कार्य को श्री मानसिंह देवड़ा ने सहजता से किया। जिसने जीवन लिया है उसका जाना तय है, लेकिन स्वर्गीय श्री मानसिंह देवड़ा की आज भी अखरती है।

स्व. श्री मानसिंह देवड़ा की पुण्यतिथि पर युवाओं की विशाल वाहन रैली

यूं चला सफर

- वर्ष 1971 में नगर परिषद जोधपुर के सदस्य चुने गए और परिषद में उपाध्यक्ष भी रहे।
- वर्ष 1980, 1985 व 1998 में कांग्रेस की टिकट पर सरदारपुरा में विधायक चुने गए।
- वर्ष 1981 से 1987 तक जोधपुर नगर सुधार न्यास के अध्यक्ष रहे।
- वर्ष 1999 से 2003 तक राजस्थान आवास मण्डल के अध्यक्ष रहे।
- वर्ष 1977 से 1985 तक जोधपुर जिला कांग्रेस कमेटी में कोषाध्यक्ष पद पर कार्य किया।
- वर्ष 1998 से 2009 तक श्री सुमेर सिनियर उच्च माध्यमिक विद्यालय जोधपुर के अध्यक्ष रहे।
- वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के वूल डवलपमेंट बोर्ड के निदेशक पद पर रहे।
- तीन दशक तक गीता भवन की कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष व सरदारपुरा विकास मंडल के अध्यक्ष पद पर कार्य किया।

प्रथम पुण्यतिथि

समाज गौरव आधुनिक जोधपुर के विकास पुरूष

श्री मानसिंह देवड़ा

विकास पुरुष मानसिंह देवड़ा के व्यक्तित्व और कृतित्व को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। सर्वांगीण विकास के समृद्ध परम्परा के संवाहक मानसिंह देवड़ा की स्पष्ट मान्यता थी कि शारीरिक, मानसिक, और आत्मा का संतुलिक विकास करना ही शिक्षा का प्रथम और अन्तिम लक्ष्य है। शहर के चहुमुखी विकास के सपने को अपने प्रयासों से साकार करने वाले देवड़ा को सूर्यनगरी के बाशिंदे, खासकर जोधपुर के खेल जगत हमेशा याद रखेगा। देवड़ा जब नगर सुधार न्यास के अध्यक्ष थे तब उन्होंने अन्तरराष्ट्रीय स्तर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम की नीव रखी थी और जोधपुर पत्थर से शानदार स्टेडियम बनवाया। उम्मेद स्टेडियम आज प्रदेश के सबसे अच्छे फुटबॉल मैदानों में एक है। जहां घास लगी है और दर्शक दीघाओं को भी सुधारा गया है। अशोक उद्यान, हाईमास्क लाइट भी देवड़ा की ही देन है।

हर शख्स के दिल में देवड़ा ने एक खास मुकाम बनाया था। उन्होंने अपने व्यवहार से और कार्य से लोगों का दिल जीत लिया। देवड़ा ने शहर के लिए जो सपने देखे थे सबको हकीकत में भी बदला। उनके घर से करीब एक किलोमीटर की दूर पर बरकतुल्लाह खान स्टेडियम... इसी युग पुरुष की अवधारणा थी। शहर जानता है कि 'हाईमास्ट लाईटें' चौराहों पर लगवाकर उन्होंने जोधपुर को आधुनिक स्वरूप की ओर मोड़ा। देवड़ा का जन्म 15 जनवरी 1933 में मण्डोर में मोहनलाल देवड़ा के घर हुआ। उनकी माता का नाम जमनादेवी था। देवड़ा की सन्तानों में प्रदीप, चेतन, भगवत और पुत्री कुंती है। देवड़ा मूलतः एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता थे। ध्येयनिष्ट सामाजिक सेवा के कारण उनके व्यक्तित्व की जोधपुर नगर में गरिमामय पहचान स्थापित की। देवड़ा ने अशोक उद्यान का निर्माण करवाकर शहर के बढ़ते दायरे में एक और धरोहर स्थापित की। इसी के साथ मण्डोर उद्यान में भी विकास कार्य किए। उन्होंने शहर के हर चौराहों पर ऊंची हाईमास्ट लाइट लगवाकर न सिर्फ तेज रोशनी भर दी बल्कि स्ट्रीट लाईट की शक्ल भी बदल दी। देवड़ा का राजनीतिक सफर 1971 में नगर परिषद सदस्य के रूप में शुरु हुआ। इसके बाद 1980 में कांग्रेस पार्टी के टिकट पर वे सरदारपुरा से विधायक चुने गए। 1985 और 1998 में फिर सरदारपुरा से विधायक चुने गये। 1981 से 1987 तक दो बार युआईटी अध्यक्ष रहे। 1999 से 2003 तक राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष रहे। 1977 से 85 तक जोधपुर जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष क रूप में उन्होंने काम देखा। देवड़ा इन्दिरा गांधी के समर्थन में नौ दिनों तक जेल में रहे। वे तीस साल तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य रहे। श्री मानसिंह देवड़ा 7 सितम्बर, 2011 को लंबी बिमारी के बाद सदा के लिए हमें छोड़ कर चले गये।

आवास निर्माण एवं शहरी विकास के क्षेत्र में आवासन मंडल ने विकास कार्यो के नये आयाम स्थापित किये। नवीनतम एवं आधुनिक तकनीक व योग्य युवा पेशेवारों की दक्ष टीम एवं कुशल वितीय प्रबन्धन ने प्रत्येक विकास कार्य को एक चुनौती के रूप में लिया है तथा जनहित में लीक से हटकर विकास कार्य कराये। श्री मानसिंह देवड़ा के अनुभवी नेतृत्व एवं कुशल प्रबन्धन से उन वर्षो में मण्डल की वितीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ, जिसमें मण्डल को देश की अग्रणी निर्माण एवं विकास संस्थाओं में ला खड़ा किया। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन ने जनहित एव सहभागिता के सिद्धान्तों पर चलते हुए विकास कार्यो की अद्‌भुत मिसाल कायम की, चाहे वो पार्क व खेलकूद के मैदान हो या फिर शहरी विकास या उन्नत आवासीय योजनाएं या फिर गुजरात राज्य में भूकम्प पीड़ितों के लिए आवास कार्य है।

आप हमारे बीच बेशक नहीं रहे
लेकिन आपकी मधुर स्मृतियां
सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी
आपके बताये मार्ग पर चलकर हम
आपके सपनों को साकार करेंगे ....

मानसिंह देवड़ा के विकास कार्य : हाईमास्ट लाईट में जगमग चौराहा, अशोक उद्यान का शिलान्यास, राज्य के 13 शहरों में भी भूकम्परोधी मकानों का निर्माण, 15 हजार से अधिक की आबादी वाले कस्बों में आवास निर्माण भुज में भूकम्प पीड़ितों के लिए आवास निर्माण, मण्डोर उद्यान का सौन्दर्यकरण, शहर के कई चौराहों का सौन्दर्यकरण, शहर के खेल प्रेमियों के लिए बरकतुल्लाह खान स्टेडियम, उम्मेद स्टेडियम के विकास में अहम योगदान, जयपुर में बिल्डिंग टेक्नोलोजी पार्क का निर्माण प्रवासी भारतीयों/राजस्थानियों के लिए राज आंगन योजना का आवास निर्माण, आम जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर।

समाज गौरव आधुनिक जोधपुर के विकास पुरूष

सड़कों का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता – श्री अशोक गहलोत

जयपुर, 15 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा है कि सड़कों का विकास और रख-रखाव राज्य सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की टूटी हुई सड़कों को मानसून के बाद ठीक करवाया जायेगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को जोधपुर के सालावास गांव में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लाण्ट के लोकार्पण के बाद उपस्थित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से राज्य में विगत तीन वर्षों में अच्छा मानसून आया है जिससे किसानों को और राज्य की जनता को बहुत लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पहले गुजरात की सड़कों को बहुत अच्छा समझा जाता था किन्तु अब राजस्थान की सड़कें वहां से भी बहुत अच्छी हैं। हमने हाइवे की मरम्मत के लिये 750 करोड़ रुपये स्वीकृत किये। साथ ही जिन गांवों में कीचड़ भरा रहता है, उनमें टाइलें लगाकर अच्छी सड़कें बनाने के लिये 1200 करोड़ रुपये की योजना बनाई है।

श्री गहलोत ने कहा हम रेगिस्तान के निवासी हैं जहां अकाल पड़ते रहते हैं। विगत तीन साल के अच्छे मानसून के कारण राज्य में चारों तरफ विकास का अच्छा माहौल बना है। बांध लबालब भर गये हैं। अधिकांश जिलों में अच्छी खेती हुई है। जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, नागौर तथा बीकानेर में मानसून विलम्ब से आने के कारण बुवाई समय पर नहीं हो सकी, इसलिये हमने इन जिलों को अभावग्रस्त जिले घोषित किया। राज्य के मानसून का मिजाज बदल रहा है, यदि हम राज्य में अधिक वन लगायेंगे तो हमारा राज्य रेगिस्तान के स्थान पर हरा-भरा और अधिक वर्षा वाला राज्य बन सकता है। उन्होंने कहा कि आगामी रबी की फसल और भी अधिक अच्छी होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जोजरी नदी के आस-पास के गांवों के लोगों को जोधपुर से आने वाले सीवरेज के पानी के कारण बहुत परेशानी होती थी। भू-गर्भ के पानी में तेजाब मिल जाने से खेती खराब हो रही थी। पशुओं के खुर तेजाब से खराब हो जाते थे तथा कुओं का पानी खराब होने से पीने के पानी की भी समस्या उत्पन्न हो गई थी। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लाण्ट के बन जाने से अब नदी में साफ पानी छोड़ा जायेगा जिससे समस्त समस्याओं से छुटकारा मिल जायेगा तथा इस पानी का अन्य कार्यों में उपयोग भी हो सकेगा।

श्री गहलोत ने कहा कि इसीलिये इस बार के बजट में 90 करोड़ रुपये जोधपुर में दो नये सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों की स्थापना के लिये स्वीकृत किये गये हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन प्लाण्टों की स्थापना का काम शीघ्र ही आरम्भ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि समाज के हर वर्ग का उत्थान हो। उन्होंने बताया कि देश में राजस्थान एवं गुजरात दो ही ऐसे राज्य हैं जहां सौर ऊर्जा से बिजली बन रही है। बायोमॉस से भी बिजली पैदा हो रही है। राज्य में पवन ऊर्जा से भी 2000 मेगावाट बिजली बन रही है। इससे विकास को और गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जोधपुर के विभिन्न अस्पतालों में 250 करोड़ रुपये के काम स्वीकृत किये गये इनमें से बहुत से काम पूरे हो गये हैं तथा कई काम अब भी चल रहे हैं। जिनके कारण जोधपुर जिला तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली मुम्बई कोरीडोर के पाली मारवाड़ केन्द्र बनने से मारवाड़ पाली तथा जोधपुर क्षेत्रा का तेजी से विकास होगा तथा इस क्षेत्र के नौजवानों को अधिक

समारोह को संबोधित करते श्री गहलोत, उपस्थित प्रबुद्धजन व विशाल जनसमूह

संख्या में रोजगार मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर की पहचान अब अकाल और सूखे से न होकर राष्ट्रीय तकनीकी संस्थाओं, चिकित्सा संस्थाओं एवं शिक्षण संस्थाओं से होगी।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य जननी शिशु सुरक्षा योजना को कार्यान्वित करने में देश में सबसे आगे है। अब तक 6 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ उठा चुकी हैं। राज्य में 464 एम्बुलेंस-108 चल रही है। उन्होंने कहा कि हमने पांच साल तक किसानों को बिजली की दरें नहीं बढ़ने देने की घोषणा की थी, हमने इस घोषणा को पूरा करके दिखा दिया है। बिजली कम्पनियों को बढ़ी हुई दरों का भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। कृषि बीमा के मुआवजे के रूप में किसानों को इस साल 2800 करोड़ रुपये दिलवाये गये। विगत वर्ष 750 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम लघु एवं सीमांत किसानों को दिलवाये गये। हमने किसानों को समर्थन मूल्य में वृद्धि के रूप में 300 करोड़ रुपये अतिरिक्त उपलब्ध कराये हैं।

श्री गहलोत ने कहा कि केन्द्र सरकार ने कल ही किसानों के हित के लिये बड़ा फैसला लेते हुए एफडीडीआई को स्वीकृति दी है। इससे किसानों को उनकी उपज का पूरा मूल्य मिलेगा तथा उपभोक्ता तक भी वाजिब दाम पर चीज पहुंचेगी। इससे बिचौलियों को मुनाफाखोरी का मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 70 हजार 441 नियुक्तियां दे चुके हैं। 41 हजार शिक्षकों की भर्ती का काम लगभग पूरा हो गया है और एक लाख 4 हजार और भर्तियां की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सालावास में पशु चिकित्सालय खोलने के आदेश दो दिन पहले ही जारी किये जा चुके हैं। ग्रामवासियों की मांग है कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सालावास में विज्ञान विषय आरंभ किया जाये। उनकी इस मांग को स्वीकृत कर विद्यालय में विज्ञान विषय आरंभ करने की घोषणा करता हूँ। सरकार द्वारा जमीनों के अधिग्रहण के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों, सड़कों के निर्माण, पेयजल योजनाओं और विभिन्न संस्थाओं की स्थापना के लिये तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि के कार्यक्रम चलाने के लिये सरकार को भूमि अधिग्रहीत करनी पड़ती है। सरकार इस सम्बन्ध में सोच समझ कर ही निर्णय करेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जेडीए अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी ने मुख्यमंत्राी का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने इस वर्ष के बजट में 90 करोड़ रुपये के दो एसटीपी स्वीकृत किये हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि इस 50 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट का कार्य टर्न-की-बेसिस पद्धति पर मैसर्स यू.ई.एम. इण्डिया प्रा.लि. नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। प्लान्ट की डिजाइन आई.आई.टी. रूडकी से अनुमोदित करवाई गई है। कार्य की कुल लागत 5 वर्ष के रखरखाव एवं संचालन सहित 34.15 करोड़ रुपये है।

समारोह को सम्बोधित करते हुए महापौर श्री रामेश्वर दाधीच ने कहा कि इस एसटीपी के बनने से नदी में साफ पानी डाला जाना संभव हुआ है। नांदड़ी में भी इसी प्रकार का एसटीपी बनवाया गया है। जिला प्रमुख दुर्गादेवी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में पूरे जिले में विकास के बहुत कार्य हुए हैं। इनका लाभ आम आदमी को मिल सकेगा। पाली सांसद श्री बद्रराम जाखड़ ने कहा कि इस एसटीपी के बनने से किसानों की जमीनें खराब होने से बच सकेंगी। यह एक ऐतिहासिक कार्य हुआ है।

समारोह में उपजिला प्रमुख श्री हीरालाल मुण्डेल, उपमहापौर श्री न्याज मोहम्मद, हीराराम मेघवाल, बीस सूत्री कार्यक्रम की जिला स्तरीय समिति के उपाध्यक्ष श्री जुगल काबरा, स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री पी के गोयल, संभागीय आयुक्त श्री रमेश कुमार जैन, जिला कलक्टर श्री सिद्धार्थ महाजन, एमआईए के पूर्व अध्यक्ष श्री उमेश लीला, श्री अनिल टांटिया, श्री कैलाश कंसारा, पूर्व विधायक श्री भंवर बलाई, पूर्व विधायक श्री हीरालाल विश्नोई सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं अधिकारी उपस्थित थे।

सूरपुरा पेयजल योजना का शिलान्यास

नि:शुल्क दवा योजना से पूरे देश में राजस्थान का नाम हुआ - श्री अशोक गहलोत

जोधपुर, 16 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा है कि जोधपुर शहर के लिए पुनर्गठित जलप्रदाय योजना से जोधपुर की अनेक बस्तियों में वर्षो से पीने के पानी की कमी एवं जलापूर्ति की समस्या से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना के आरम्भ होने से पूरे देश में राजस्थान का नाम हुआ है।

मुख्यमंत्री रविवार को जोधपुर के सूरपुरा में जोधपुर शहर हेतु पुनर्गठित जलप्रदाय योजना के सूरपुरा पैकेज के शिलान्यास के बाद आयोजित समारोह में उपस्थित जन साधारण को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा आरंभ की गई निशुल्क दवा योजना को मॉडल बनाकर पूरे देश में लागू करने का प्रयास किया जा रहा है।

सूरपुरा में जोधपुर शहर हेतु पुनर्गठित जलप्रदाय योजना के सम्बन्ध में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना पर लगभग 740 करोड़ रुपये व्यय होंगे जिनमें से 550 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी हो चुकी है। शेष 190.50 करोड़ रुपये के लिये ए.एफ.डी. को आवेदन किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के सूरपुरा पैकेज से सम्बन्धित 131.97 करोड़ रुपये के कार्यादेश 5 जुलाई 2012 को जारी किया जा चुका है। इस परियोजना से लाल सागर, महामंदिर, मण्डोर, डिगाड़ी तथा जयपुर उच्च मार्ग पर स्थित बस्तियों को जलापूर्ति की समस्या से छुटकारा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरपुरा बांध में 210 एमसीएफटी क्षमता का नया रॉवाटर स्टोरेज रिजरवायर बनाया जायेगा जिससे पानी के संग्रहण की क्षमता में वृद्धि होगी। इस योजना में जोधपुर शहर के पुराने जलापूर्ति तंत्रा को भी सुदढ़ किया जायेगा। सूरपुरा व तखतसागर दोनों के लिये अलग-अलग 900 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता के नये फिल्टर प्लाण्ट बनाये जायेंगे।

श्री गहलोत ने कहा कि सूरपुरा हैडवर्क्स पर 80 लाख लीटर क्षमता का स्वच्छ जलाशय व लासागर हैडवर्क्स पर 17.5 लाख लीटर क्षमता का स्वच्छ जलाशय बनाया जायेगा। राजीव गांधी लिफ्ट कैनाल से सूरपुरा हैडवर्क्स तक 1600 मिलीमीटर व्यास की 31 किलोमीटर लम्बी पाइप लाइन डाली जायेगी। सूरपुरा हैडवर्क्स से लालसागर स्वच्छ जलाशय व डिगाड़ी उच्च जलाशय तक 14 किलोमीटर लम्बी डी.आई. पाइप लाइन डाली जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है जहां देश का लगभग 10 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्रफल, 5.5 प्रतिशत आबादी एवं 1 प्रतिशत जल उपलब्ध है। जल के लगातार दोहन से पानी गहरा होता जा रहा है जिससे फ्लोराईड एवं खारेपन की समस्या बढ़ती जा रही है। सरकार जनता को मीठा और अच्छी गुणवत्ता का पेयजल उपलब्ध करवाना चाहती है। इसलिये आवश्यक है कि हम अधिक संख्या में पेड़ लगायें जिससे प्रदेश में अधिक वर्षा हो सके तथा भूमि में पुन: जल भण्डार रीचार्ज हो सके।

श्री गहलोत ने कहा कि सरकार योजनाबद्ध तरीके से विकास करना चाहती है इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिये। हमने अपनी पिछली सरकार के समय में नागौर रोड पर एम्स निर्माण का प्रयास किया था किंतु हमारी सरकार के बदलने के बाद

जो सरकार आई उसने इसे काजरी परिसर में बनवा दिया। इससे एम्स को केवल 100 एकड़ जमीन ही मिल सकी जबकि एम्स को 300 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। अब भविष्य में इसके विस्तार में बहुत कठिनाई आयेगी। समारोह को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्रसिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रयत्नों से जोधपुर में इंदिरा गांधी नहर का का पानी पहुंच सका है। विगत दिनों श्रीमती सोनिया गांधी ने बाड़मेर में 650 करोड़ रुपये की नहर परियोजना का उद्‌घाटन किया। मुख्यमंत्री की सोच है कि प्रत्येक गांव तक अच्छी गुणवत्ता का पेयजल सुलभ हो सके। उन्होंने जोधपुर शहर के लिये आरंभ की गई पुनर्गठित जल प्रदाय योजना की भी विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री अशोक बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार ने समाज के हर वर्ग के लिये कल्याणकारी योजनाएं चला रखी हैं तथा हमारा प्रयास है कि जरूरतमंद तक उस योजना का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्गों, विमंदितों, विकलांगों, विद्यार्थियों, नेत्राहीनों महिलाओं, अल्पसंख्यकों सहित समाज के समस्त वर्गों के लिये कोई न कोई योजना चलाई जा रही है। इन योजनाओं का लाभ राज्य की 6 करोड़ जनता को मिल रहा है।

जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष, श्री राजेन्द्र सोलंकी ने भी समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रयासों से जोधपुर की जनता को कभी भी पीने के पानी का अभाव नहीं रहा। उनके प्रयासों से जोधपुर को राजीव गांधी लिफ्ट नहर का तोहफा मिला। पाली सांसद श्री बद्रीराम जाखड़ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को लाभ आम आदमी तक पहुंचा है। लोगों में समृद्धि आ रही है। उन्हें निशुल्क इलाज, निशुल्क मकान तथा 2 रुपये किलो गेहूं जैसी योजनाएं देने वाली यही सरकार है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल ने पुनर्गठित जल प्रदाय योजना की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर फलौदी विधायक श्री ओम जोशी, अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष श्री गोपाराम मेघवाल, महापौर श्री रामेश्वर दाधीच, जिला प्रमुख दुर्गा देवी बलाई, श्री महापौर श्री न्याज मोहम्मद, उपजिला प्रमुख श्री हीरालाल मुण्डेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री गहलोत ने आंगणवा राजकीय प्राथमिक स्कूल को मिडिल स्कूल में एवं राजकीय सैकेण्डरी स्कूल को सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में क्रमोन्नत करने की घोषणा की।

अम्बालाल गहलोत स्मृति कंप्युटर कक्ष का उद्‌घाटन

जयपुर, 16 सितम्बर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने रविवार को जोधपुर के आंगणवा विद्यालय में अम्बालाल गहलोत स्मृति कंप्युटर कक्ष का फीता काटकर उद्‌घाटन किया। अम्बालाल गहलोत की स्मृति में उनके परिवारजनों ने विद्यालय में कंप्युटर कक्ष व बरामदा निर्माण करवाया था। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय अम्बालाल गहलोत के परिवारजनों की इस पुनीत कार्य के लिए सराहना की।

समारोह में उपस्थित प्रबुद्धजन व विशाल जनसमूह

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने मंडोर में काला गौरा भैरुजी के दर्शन व पूजा अर्चना की

श्री अशोक गहलोत का स्वागत करते श्री धमेन्द्र सांखला

श्री अशोक गहलोत भैरूजी की पूजा अर्चना करते हुए

जोधपुर, 16 सितम्बर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार को सायं मण्डोर उद्यान में काला-गोरा भैरूजी पुष्प विक्रेता कल्याण समिति द्वारा आयोजित फूल मण्डली एवं भजन संध्या कार्यक्रम में शरीक हुए एवं काला-गोरा भैरूजी मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। श्री गहलोत का समिति के द्वारा माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्रा डॉ. जितेन्द्रसिंह, महापौर श्री रामेश्वर दाधीच, जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर के अध्यक्ष श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी, विधायक फलौदी श्री ओम जोशी, सुश्री सुनीता भाटी एवं समाजसेवी श्री जसवंतसिंह कच्छवाह का भी माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री का श्री शिवजी सोलंकी, श्री धर्मेन्द्र सोलंकी, पार्षद श्री मयंक देवड़ा ने स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने समिति के वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री गोपीचंद पंवार का साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री का महिलाओं एवं समिति कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

मानसागर में किया विकास कार्यों का लोकार्पण

अपनों के बीच पहुंच भावविह्ल हुए श्री अशोक गहलोत

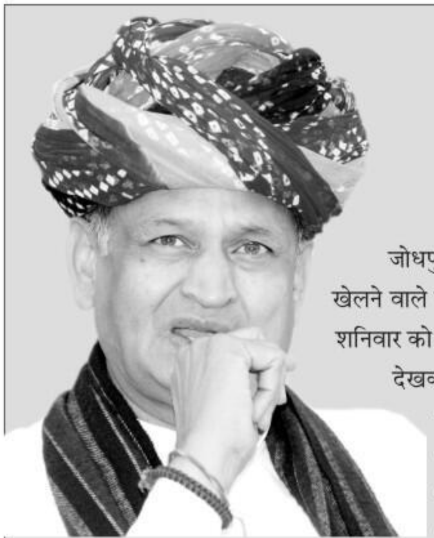

जोधपुर। कभी मानसागर तालाब पर खेलने वाले मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत शनिवार को मानसागर पार्क के विकास को देखकर काफी खुश नजर आए। वहीं यहां आकर अपने बचपन के साथियों व क्षेत्रवासियों से मिलकर भावविह्ल हो गए। वे बिना किसी निर्धारित कार्यक्रम के करीब 1 घंटे तक यहां रूके और अपने साथियों व क्षेत्रवासियों से पुरानी यादों को ताजा किया। लगे हाथों उन्होंने जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी को मानसागर का विकास कराने की भोलावण भी दी।

यहां श्री अशोक गहलोत अपने बचपन के मौजूद दोस्त श्री विजयराज, श्री महावीर, श्री राधेश्याम व अशोक को देख भावविह्ल हो गए। वे अपने बचपन की यादों में इस तरह खो गए कि उनकी आखें नम हो गई। बाद में बिना किसी औपचारिकता के वहीं बैठ गए और एक घंटे तक रूके। उन्होंने सबके साथ जमकर हथाई भी की। श्री गहलोत बोले यहां मैं अपने दोस्तों के साथ खूब खेला। इसी तालाब पर कागज की किश्ती तैराता था, तो पास में स्थित मैदान पर गिल्ल डंडे, कब्बडी खूब खेली। यही पर पंतगबाजी का शौक भी पूरा किया। अब इसे पार्क के रूप में विकसित होते देख इतनी खुशी हो रही है कि इसे बयां नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों से कहा कि महामंदिर क्षेत्र में सड़क, सीवरेज, पार्क के विकास, सामुदायिक भवन, श्मशान विकास कार्य, मंदिर-देवालय परिसर में विकास कार्य समेत विभिन्न कार्यों पर तेरह करोड़ रूपये खर्च किए गए है। जरूरत पड़ने पर इसमे किसी तरह की कमी नहीं होने दी जायेगी।

श्री अशोक गहलोत ने इस अवसर पर जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी को भोलावण भी दी कि विकास में धन की कोई कमी नहीं आनी चाहिए।

यहां मैनें गिल्ली डंडे, पतंगबाजी और कब्बडी खूब खेली- मुख्यमंत्री

श्री सुमेर शिक्षण संस्थान, महामन्दिर, जोधपुर 115वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया

सुमेर महिला महाविद्यालय का शुभारंभ, शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम – श्री राजेन्द्र सोलंकी

श्री सुमेर महिला महाविद्यालय का उद्‌घाटन करते श्री जेडीए चेयरमेर राजेन्द्र सोलंकी, अध्यक्ष बाबूलाल पंवार व पार्षद श्रीमती शैलजा

जोधपुर 29 अगस्त। श्री सुमेर शिक्षण संस्थान का 115 वें स्थापना दिवस के अवसर पर श्री सुमेर महिला महाविद्यालय का उद्‌घाटन व विद्यालय विकास कार्यो का शिलान्यास मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी चेयरमेन जेडीए, समारोह अध्यक्ष श्रीराजेन्द्र कुमार गहलोत (पूर्व महापौर) द्वारा किया गया। समारोह का प्रारम्भ गायत्री पीठ द्वारा वैदिक मंत्रोंच्चारण से हवन किया गया। हवन में यजमान के रूप में श्री बाबुलाल पंवार, श्री अनिल कच्छवाहा, श्री नरपत सिंह सांखला ने सपत्नीक आहुतियाँ दी।

शिक्षा अमूल्य निधि है। शिक्षा से ही समाज व राष्ट्र की उन्नति होती है। सुमेर शिक्षण संस्थाना के 115वें स्थापना दिवस के अवसर पर से विचार जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सोलंकी ने व्यक्त किए। समारोह को संबोधित करते हुए श्री सोलंकी ने कहा कि पढ़ी लिखी बेटी घर की रोशनी होती है। इससे पूर्व श्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा श्री सुमेर महिला महाविद्यालय का फीता काटकर उद्‌घाटन किया गया। श्री राजेन्द्र सोलंकी ने महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मीता मूलतानी के साथ बी.ए. व बी.कॉम की छात्राओं द्वारा बनाई गई रंगोली का भी अवलोकन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय के संस्थापक श्री नेनुराम जी सांखला, श्री मघजी, श्री पोकर जी, श्री पुरखा जी, के चित्रों पर माल्यापर्ण कर श्रदाजंलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व महापौर डॉ. ओमकुमारी गहलोत, पार्षदगण श्रीमती शैलजा गहलोत, श्रीमती शशिकला गहलोत, श्रीमती ज्योति सोलंकी, श्री रोशन सांखला, श्री किशोर सिंह टाक उपस्थित थे। समारोह के दौरान विद्यालय निदेशक मण्डल के अध्यक्ष श्री बाबुलाल पंवार, उपाध्यक्ष श्री चेतन प्रकाश देवडा, उपसचिव श्री देवीसिंह सोलंकी, प्रबंध समिति अध्यक्ष श्री नरेश सॉंखला, सचिव श्री किशोर सिंह परिहार, कोषाध्यक्ष श्री अरविन्द परिहार, उपसचिव श्री प्रदीप परिहार, श्री रणजीत सिंह परिहार, श्री अनिल कच्छवाहा, श्री नरपतसिंह सॉखला, श्री कपिल कच्छवाहा, मौजूद थे।

इस अवसर पर श्री सुमेर शिशु निकेतन के बालकों द्वारा धरती धोरा री व पंछी बन उड़के चलु गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी साथ ही सुमेर बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी श्री सुमेर लिटिल रोजेज के नन्हे-मुन्हें बालकों ने राजस्थानी नृत्य पर तालियाँ बटोरी। अजीबो शान शंहशाह गीत पर सुमेर उच्च माध्यमिक के बालकों ने अपनी

दीप प्रज्वलन कर समारोह का विधिवत उद्घाटन करते श्री राजेन्द्र सोलंकी

श्री राजेन्द्र सोलंकी का स्वागत करते सचिव श्री किशोर सिंह परिहार

नृत्याभिव्यक्ति दी एवं महिला महाविद्यालय द्वारा रंगीलो मारो डोलना गीत पर अपनी सरहानीय प्रस्तुती दी।

कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम का आव्हान

समारोह में जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी, पूर्व महापौर श्री राजेन्द्रकुमार गहलोत, डॉ. ओमकुमारी गहलोत, सहित सभी पार्षदगण, समाजसेवी एवं प्रबुद्ध वर्गो ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, कन्या भ्रूण हत्या व दहेज प्रथा की रोकथाम के प्रयास का आव्हान किया। छात्राओं को इस अवसर पर कन्या भ्रूण हत्या रोकने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उपजिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रेमचंद सांखला, समिति के अध्यक्ष व निदेशक मण्डल के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता, हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अलावा कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम विषयक कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

प्रबंध समिति के सचिव द्वारा विद्यालय स्थापना व विकास तथा महिला महाविद्यालय की स्थापना व शैक्षणिक गतिविधियों व विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि ने विद्यालय स्थापना में विभिन्न गणमान्य महानुभवों के योगदान का स्मरण करवाया। समारोह अध्यक्ष ने श्री सुमेर शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों के शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों की सहराहना की।

इस अवसर पर श्री देवीचन्द देवडा, पूर्व महापौर डॉ. ओमकुमारी गहलोत पार्षद श्रीमती शैलजा, श्रीमती ज्योती सोलंकी, श्रीमती शशिकला ने विद्यार्थियो को आर्शीवचन व विद्यालय विकास में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं पुरस्कृत किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एवं विषिश्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। विद्यालय के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। श्री सुमेर शिशु निकेतन की प्रधानाचार्या श्रीमती लता परिहार द्वारा विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री विनोद गहलोत श्रीमती सरला मेहता, श्रीमती गुंजन व मीनाक्षी ने किया।

श्री राजेन्द्र कुमार गहलोत छात्र को सम्मानित करते हुए

उपसचिव श्री प्रदीप परिहार डॉ. ओमकुमारी गहलोत को स्मृति चिन्ह देते हुए

विद्यालय बालिकाओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति

सुनिता बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय का लगातार दूसरी बार बारहवीं बोर्ड जिला स्तर पर प्रथम स्थान

15 अगस्त 2012 को जिला प्रशासन द्वारा सम्मान

सुनिता बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय मगरा पूंजला जोधपुर को लगातार दूसरी बार बारहवीं बोर्ड में जिले स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर जिला प्रशासन ने स्वतंत्रता दिवस पर पूराने स्टेडियम में आयोजित समारोह में रनिंग शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि सम्भागीय आयुक्त श्री आर.के. जैन व अध्यक्षता जोधपुर जिला कलेक्टर श्री सिद्धार्थ महाजन ने की। समारोह में जिले के बड़े अधिकारी, राजनेता व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उच्चस्तरीय परीक्षा परिणामों के कारण आज इस विद्यालय की गिनती राजस्थान के टाप 10 विद्यालयों में होती है। पूर्व में भी दशमी बोर्ड का 2004 व 2010 में जिला स्तर श्रेष्ठ परिणाम देकर दो बार तथा उच्च माध्यमिक परीक्षा परिणाम के लिए वर्ष 2011 के स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन द्वारा एक बार यह विद्यालय सम्मानित हो चुका है।

सूर्यनगरी के प्रमुख शिक्षण संस्थाओं में सुनिता निकेतन सी.सै.वि. की स्थापना सेवानिवृत प्रधानाध्यापक श्री जगदीशसिंह आर्य के द्वारा वर्ष 1985 में की गई है। वर्तमान प्रधानाचार्य श्री आनन्दसिंह सांखला के कुशल नेतृत्व में यह विद्यालय सीनियर सैकेण्डरी तक पहुंच चुका है। पिछले 27 वर्षों से बालकों में चरित्र निर्माण, आत्मानुशासन एवं भारतीय सभ्यता और संस्कृति का ज्ञान कराते हुए एक आदर्श विद्यालय के रूप में कार्य कर रहा है। विद्यालय के परीक्षा परिणामों के बार में प्रधानाचार्य श्री आनन्दसिंह सांखला ने बताया कि पिछले 11 वर्षों से विद्यालय का दशमी बोर्ड का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। इसमें भी 91 प्रतिशत विद्यार्थी प्रथम रेणी से उतीर्ण हुए तथा शेष द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण है। सत्र 2011-2012 में दशमी बोर्ड में 49 विद्यार्थियों में से 38 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी तथा शेष 11 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण हुए। उच्च माध्यमिक बोर्ड परीक्षा सत्र 2011-2012 के परिणामों पर नजर डाले तो विज्ञान वर्ग का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। 58 में से 57 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी व 1 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण हुआ।

इसी प्रकार वाणिज्य वर्ग में 58 में से 48 प्रथम व शेष 10 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण हुए। कला वर्ग में 42 में 33 प्रथम व 7 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण हुए। कला वर्ग में 42 में 33 प्रथम व 7 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उतीर्ण हुए। कला वर्ग की छात्रा पूजा सुथार ने जिला स्तर पर नौवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय के गुणवता को सिद्ध किया।

फुले शिक्षा संस्थान फोल्डर का विमोचन

भोपाल। सामाजिक शिक्षण संस्थान द्वारा प्रस्तावित गुरूकुल जो कि 500 एकड़ भूमि के एक ही केम्पस में एक लाख विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा कक्षा 6 से उच्च शिक्षा तक तथा 10000 विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों की स:शुल्क कोचिंग के साथ ही गोशाला डेरी प्लांट, बागवानी फार्म, कृषि महाविद्यालय की योजना को लेकर प्रस्तावित शिक्षादान की अभिनव योजना फोल्डर का उपाध्यक्ष गंगाराम गहलोत (गुजरात), महासचिव रामनारायण चौहान, विनोद मकवाना, यादवलाल चौहान, डॉ. पी.एन. अम्बाडकर (म.प्र.) द्वारा स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री महेन्द्र हार्डिया, पूर्व विधायक श्री अशोक मानकर (नागपुर), रिटायर्ड आईएएस श्री सरदारसिंह डगस आदि अतिथियों ने महात्मा फुले मन्दिर भोपाल में विमोचन किया। संस्थान महासचिव रामनारायण चौहान ने बताया कि प्रस्तावित फोल्डर की जानकारियां, कार्य योजना से प्रभावित होकर शिक्षादान की अभिनव योजना में शामिल होने हेतु संस्थान की आजीवन सदस्यता के प्रथम चरण के 10000 सदस्यों के लक्ष्य को पूरा करने में मध्यप्रदेश से सर्वाधिक सदस्य बनाने का उपस्थित जनसमुदायस ने संकल्प लिया। संस्थान के अध्यक्ष श्री शंकरलाल लिंगे (महाराष्ट्र), उपाध्यक्ष श्रीपाल सैनी (दिल्ली), कोषाध्यक्ष रामलाल कच्छावा (राजस्थान) सचिव सुकुमार पेटकुले (आन्ध्रप्रदेश) ने मध्यप्रदेश समाज का अभिवादन किया है और समाज से अपील की है कि संस्थान की आजीवन सदस्यता राशि रूपये 3000 रूपये बैंक से स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया रोहिणी ब्रांच दिल्ली 85 के IFSC कोड नं. SBIN/0010323 खाता नं. 32240494101 में जमा कर लक्ष्य पूरा करने में सहयोगी बनें।

प्रतिभाओं को सम्मानित करना समाज का दायित्व – रेणु सैनी

नागौर। प्रतिभाओं को सम्मानित करने से उनमें प्रतिष्पर्धा बढ़ती है और उनके हौंसले बुलन्द होते है। प्रतिभाओं को सम्मानित करना समाज का दायित्व भी है। इससे अन्य बालकों और युवाओं को भी प्रोत्साहन भी मिलता है। यह बात 19 अगस्त रविवार शाम छोटी खाटू माली समाज भवन में आयोजित 11 गांव माली समाज प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि आरएएस रेणु सैनी ने कही। उन्होंने अपने उद्बोधन में समाज में बालिका शिक्षा को बढावा देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वालों की कभी भी हार नहीं होती। बस इसके लिए दृढ़ निश्चय और इच्छा शक्ति होनी चाहिए। समारोह अध्यक्ष पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत ने समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने वाले महात्मा ज्योतिबा फूले व सावित्री बाई फूले का चारित्र चित्रण करते हुए कहा कि हमारे समाज में पूर्वजों की भावी पीढ़ी आगे बढ़े, लेकिन इसके लिए हमें बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। कन्यादान से पहले विद्यादान करना होगा। शिक्षित बालिकाएं दो परिवारों को रोशन करती है। इस दौरान समारोह के विशिष्ठ अतिथि किशनलाल सैनी ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने से समाज मजबूत होगा। ऑल इण्डिया माली (सैनी) समाज सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष ताराचन्द गहलोत और सैनी सेतु टाईम्स के सम्पादक वीरेन्द्र भाटी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर माली समाज के 71 प्रतिभावान छात्र छात्राओं एवं प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में शाकम्भरी कला मन्दिर मेड़ता सिटी के कलाकारों ने उम्दा प्रस्तुत से चार चांद लगा दिये। जरूरतमंद छात्र छात्राओं को छात्रवृति दी गई। हीरालाल कच्छावा व बजरंग लाल कच्छावा की ओर से प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने गौरक्षा को बढ़ावा देने के लिए दो लाख रूपेय दान में देने में की घोषणा की। प्रारंभ में अतिथियों ने ज्योतिबा फूले व सावित्री बाई फूले के चित्र पर पुष्प अर्पित किये ओर दीपक जलाकर समारोह का उद्घाटन किया। आयोजन समिति ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान नारायण सेवा संस्था के इन्द्रजीत टाक, भोलाराम भाटी, युवा जिला कांग्रेस अध्यक्ष चेतन डूडी, सरपंच कल्याण सिंह राठौड़ सहित 110 गांव माली समाज के अनेक लोग व छात्र छात्राएं उपसिथत थे।

रमेश परिहार महात्मा ज्योति बा फूले जागृति मंच पाली के अध्यक्ष नियुक्त

पाली। रमेश परिहार को महात्मा ज्योतिबा फूले जागृति मंच शहर ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके लिए वे अपने युवा साथियों व समाज बंधुओं के साथ अपनी कमेटी के सदस्यों की नियुक्ति करेंगे।

अनमोल वचन

वह व्यक्ति महान है
जो शान्तचित होकर
धैर्यपूर्वक कार्य करता है

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णा

स्वतंत्रता दिवस पर नरेन्द्र परिहार सम्मानित

जोधपुर। तहसील स्तर पर अपना खाता केन्द्र संचालित होता है। सितम्बर 2011 में लगभग 21000 नामों का रिकार्ड करना शेष थे। जिसे नरेन्द्र परिहार ने लैण्ड रिकार्ड कम्प्यूटरीकरण का कार्य समयबद्धता के साथ पूर्ण किया। इस उपलक्ष में स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित नरेन्द्र सिंह परिहार को मुख्य अतिथि सम्भागीय आयुक्त श्री आर.के. जैन व अध्यक्षता जोधपुर जिला कलेक्टर श्री सिद्धार्थ महाजन व सम्मानित किया गया।

पुण्यतिथि पर विशेष

3 अगस्त 2012

श्री गणेशीराम सच्चे स्काउट गुरु थे

- राजेन्द्रसिंह गहलोत

गणेशी शब्द का अर्थ है सभी को नमन करने वाला, सभी को मानने वाला, सभी धर्म जाति सम्प्रदाय को आदर के साथ, सम्भावना, सत्कार देने वाला यानि मानव प्राणी व प्रकृति को सर्वोपरित मानकर कर्तव्य निष्ठा से कार्य करने वाला।

राम शब्द का अर्थ - भगवान ईश्वर, अल्लाह, प्रभु यानि सभी को तारने वाला, पालनहार करने वाला। अर्थात ईश्वर एक है हम उन्हें विभिन्न नामों से पुकारते है। वह सभी जगह विद्यमान है। वह सर्वशक्तिमान है। वह सभी को शक्ति प्रदान करता है। वही सभी को नेक व आदर्श भाव प्रदान करता है। वहीं विश्व का पालनहार है। वहीं बुरे व पापियों का नाश करने वाला है। वहीं सत्य अहिंसा व प्रेमभाव का प्रतीक है। वहीं अधर्म का नाश करता है ओर धर्म को जीत दिलाता है। यानि सभी को कर्मयोगी बनाने की शिक्षा देता है।

स्काउट का अर्थ है - सद्‌भावना, भाईचारा। अपने कार्य द्वारा मानव प्राणी व प्रकृति की सेवा करना। इन्हीं सभी कार्यो के कारण गणेशीराम को स्काउट गुरू व ग्रामीण रोवर स्काउटिंग के जन्मदाता कहा गया।

गणेशीराम सच्चे स्काउट गुरू थे। उन्होनें मानव प्राणी व प्रकृति की निस्वार्थ सेवा, सच्ची निष्ठा से पूर्ण की वे भारत में स्काउटिंग के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़कर अमर हो गये। उरके कार्य वर्तमान में हमारे लिये आदर्श व मार्गदर्शन करते है। उनके नेक कार्यो से प्रेरित होकर देश के प्रत्येक नागरिक कार्य करें तो देशवासी कर्मयोगी बन जायेंगे। आलस का नाश हो जायेगा, सुदृढ भाईचारा व अमन चैन, शांति व सद्‌भावना से मजबूती मिल जायेगी। संगठन में परस्पर अच्छे आचार विचारों का आदान प्रदान होगा। विश्व में शक्तिशाली सभी बुराईयों व समस्याओं से मुक्त, विकासशील भारत की छवि बनेगी और इस पर हम सभी को भारत के अच्छे नागरिकों का देश कहने में गर्व होग, ऐसी उनकी भावना थी।

वो कहते थे कि कर्म तेरे अच्छे है तो किस्मत तेरी दासी है
दर दर क्यों भटकता है यहीं मथुरा काशी है।

अर्थात जहां अच्छे रचनात्मक, सकारात्मक सोच के साथ जो कार्य होते है वह किसी धर्म यात्रा व धार्मिक स्थल से कम नहीं होते है।

श्री गणेशीराम जी एक कर्मयोगी थे उनकी कथनी व करनी में अंतर बिल्कुल नहीं था, वे हृदय से कोमल, स्वभाव से शीतल और मन से सरल होने के कारण जीवन की उच्चतम सफलता प्राप्त की।

वे ईश्वर के प्रति निष्ठावान बच्चों के प्रति वफादार व स्काउट के सच्चे सिपाही थे, उनके कार्यो की जितनी सराहना की जाय कम है। भावी नव पीढ़ी के आदर्श स्काउट गुरू व ग्रामीण रोवर स्काउट के प्रेरणा स्त्रोत कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

मैं ऐसे महान सच्चे स्काउट गुरू को अपना आदर्श मानता हूं और सच्चे मन से नत मस्तक होकर नमन करते हुए ग्रेट सैल्यूट करता हूं।

यह बिल्कुल सत्य है कि हम मिट्टी के पुतले है और मिट्टी में ही मिल जायेंगे। जो कर्मयोगी है हमेशा अच्छे कर्मो से याद आते रहेंगे। यही तो अमरत्व का भाव है।

स्काउट गुरू कर्मवीर श्री गणेशीराम की 17वीं पुण्यतिथि 3 अगस्त 2012 को जोधपुर के सूचना सभागार में इण्डियन स्काउट व गाइड फैलोशीप जोधपुर द्वारा समारोहपूर्वक श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की शुरूआत स्काट प्रार्थना से हुई।

गुरूजी के व्यक्तित्व व कृतित्व को आजीवन यादगार बनाने हेतु गुरू गणेशीराम स्मृति ग्रन्थ - कर्मवीर 2012 का विमोचन किया गया। जिसमें गुरूजी के परिवार व स्काउट कार्यो में सहयोगी रहे स्काउट - गाइड के अनुभवों को प्रकाशित किया गया, जिसका सम्पादन श्री एस.एम. उस्मान, रोशनदीप गहलोत ने किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मदनमोहन राठी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरूजी के जीवन वृत पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर वयोवृद्ध व वरिष्ठ स्काउटर्स सर्व श्री रामप्रसाद गोयल, नरपतसिंह शेखावत, धनराज लखारा, प्रो. डी.आर. मेहता, प्रो. रामकृष्ण दुग्गड़, श्री ओ.पी. गहलोत, श्री हरीसिंहनामा एवं श्री भूपसिंह को माला, तिलक, शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। इन्होंने गुरूजी के साथ कार्य करने के अपने अनुभव से सभी को अवगत कराया।

गुरूजी की धर्मपत्नी श्रीमती कस्तुरीबाई को शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर सद्‌भावना फोटो प्रदर्शनी का आयोजन अभियानकर्ता राजेन्द्रसिंह गहलोत द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में गुरूजी की विभिन्न कार्यक्रमों, रैली, जम्बूरी के चित्रों के साथ समाचार

पत्र पत्रिकाओं ने प्रकाशित आलेखों को प्रदर्शित किया जिसे देखकर सभी ने प्रशंसा व साधुवाद किया।

इस अवसर पर स्काउट गाइड द्वारा नशा मुक्ति एवं पर्यावरण चेतना पर लघु नाटकों की प्रस्तुति दी गई। ISGF जोधपुर द्वारा आयोजित, चित्रकला व निबन्ध प्रतियोगिता में अव्वल रहे बच्चों को प्रमाण पत्र दिये गए।

कार्यक्रम में जोधपुर ISGF के अध्यक्ष श्री सुशील कालानी एवं सचिव श्री एस.एम. उस्मान खान ने अतिथियों का स्वागत किया व श्री दामोदर लोहिया अध्यक्ष जोधपुर इण्डस्ट्रीयल एसोसियेशन ने आभार प्रकट किया। संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त श्री ओम आचार्य एवं पूर्व उपनिदेशक शिक्षा श्री प्रेमसिंह कच्छवाहा ने किया।

कार्यक्रम को ई-टीवी राजस्थान एवं स्थानीय 24 चैनल न्यूज ने भी अपने समाचारों में टीवी पर प्रदर्शित किया। सभी प्रमुख समाचार पत्रों में भी कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की।

श्री महेन्द्रसिंह राठौड़, श्रीमती संतोष निर्वाण (स. आर्गेनाइजिंग कमिश्नर), श्रीमती रोशनदीप, श्रीमती मधु समदानी एवं गुरूजी के सुपुत्र दीनबंधु व दिलीपकुमार ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग दिया। सभा को श्री दामोदरजी शर्मा, पूर्व वाईस चांसलर, तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा श्री देवीराम जोधावत (पूर्व आईएएस) श्री जितेन्द्र जालोरी, आयुक्त नगर पालिका जालोर, श्री प्रेमसिंह सांखला, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जोधपुर ने उद्बोधित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने गुरूजी को पुष्पहार अप्रित कर श्रद्धांजलि दी। इस दिन राजकीय माध्यमिक विद्यालय महामन्दिर में निःशुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा का शिविर श्रीमती यशोदा आसेरी (पूर्व प्रिंसीपल) ने एएसजी नेत्र चिकित्सा समूह एवं दंत चिकित्सक डॉ जाखड़ के सहयोग से लगाया।

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न

स्व. श्री राजीव गांधी

के जन्म दिवस पर रक्तदान कर नमन किया

भारत सेवा संस्थान एवं जोधपुर फोटोग्राफर्स एसोसियेशन के संयुक्त तत्वावधान में भारत सेवा संस्थान प्रांगण में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री राजीव गांधी के जन्म दिवस पर दिनांक 20 अगस्त 2012 सोमवार को विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 91 महिलाओं व पुरूष रक्तदाताओं ने रक्तदान कर स्वर्गीय श्री राजीव गांधी को नमन किया।

भारत सेवा संस्थान के चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रभारी नरपतसिंह कच्छावा व जोधपुर फोटोग्राफर एसोसियेशन के अध्यक्ष प्रदीप कच्छवाहा ने संयुक्त रूप से बताया कि जोधपुर के समस्त फोटोग्राफर्स एसोसियेशन से जुड़े सभी युवा वर्ग के नवयवुकों ने रक्तदान देकर सहयोग प्रदान कर सफल बनाया।

शिविर में रामस्नेही संत रामप्रसादजी महाराज, जेडीए अध्यक्ष राजेन्द्रसिंह सोलंकी, जेएनवीयू के कुलपति प्रोफेसर बी.एस. राजपुरोहित, पूर्व महापौर डॉ. ओमकुमारी गहलोत, शहर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष मनीषा पंवार, महापौर रामेश्वर दाधिच, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सईद अंसारी, जोधपुर शहर बीजेपी अध्यक्ष नरेन्द्र कच्छवाहा, जेएनवीयू छात्रसंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित कुलपरिया, महासचिव मोहित सांखला एवं कई गणमान्य व्यक्ति एवं पार्षद एवं समाजसेवियों ने उपस्थिति दी।

शिविर के सफल आयोजन करने में सुरेन्द्र राजपुरोहित, जसवंत कुमार, अरविन्द भारती, राजश्री कच्छवाहा, विनय पंवार, लवजीत, महेश भगवान, महेन्द्र परिहार, दिनेश परिहार सांवर परिहार, रामकिशोर व भारत सेवा संस्थान के डॉ. अजय त्रिवेदी, ओ.पी. टाक, धीरेन्द्र टाक व समस्त स्टाफ सहित अनेक प्रबुद्धजनों ने उपस्थित रहकर रक्तदाताओं की हौंसला अफजाई की। सभी रक्तदानदाताओं को प्रशस्ति पत्र अतिथियों द्वारा देकर सम्मानित किया गया।

खरी-खरी

अन्याय का पक्ष लेना, अध्यक्ष के नजरों में उचित ?

संदर्भः माली संस्थान जोधपुर के नौ वर्षों का कार्यकाल मेरी नजरों में।

सम्मानित पाठक वृन्द।

जैसा कि आपको विदित है कि 'माली सैनी सन्देश' के प्रखर व निर्भिक मंच से हम गत .... अंकों से 'माली संस्थान जोधपुर के नौ वर्षो के कार्यकाल' का विवेचन 'खरी-खरी' के माध्यम से आपके सामने प्रस्तुत कर रहे है। बड़ी संख्या में यह पाठकों के गले उतर रहा है, उनकी प्रतिक्रियाएं हमे अपने मोबाइल पर मौखिक रूप से मिल रही है। हमारे आग्रह के बावजूद भी वे अपनी प्रतिक्रिया 'समाज व सामाजिक बंधनों' के चलते हमें लिखित के माध्यम से नहीं देने का आग्रह करते है। खैर, हमें स्वाभिमान है कि 'समाज में एक नहीं दो नहीं बल्कि सैकड़ों बंधु' हमारी इस मुहिम को अप्रत्यक्ष सहयोग प्रदान कर रहे है। इस अंक में हम आपके सामने एक ऐसा मामला सामने ला रहे है कि अगर आप उसकी कल्पना करेगें तो आपके 'रोंगटे' खड़े हो जायेगें।

ज्यादातर समाज बंधुओं को ज्ञात होगा कि सन् २००६ में बाड़मेर में माली समाज के एक गरीब परिवार की एक लड़की का विवाह बाड़मेर में ही समाज के एक व्यक्ति के साथ हुआ। विवाह के कुछ दिनों तक तो ठीक-ठाक चलता रहा। मगर उसके बाद जो कुछ हुआ वह 'अमानवीय' था। हुआ यूं कि किसी बात को लेकर लड़की के ससुराल पक्ष वालों ने अपनी ही वधू पर चोरी के इल्जाम का एक केस संबंधित कोर्ट में दायर कर दिया। उस 'अबला' ने उस केस का सामना किया और अपना पक्ष प्रस्तुत किया तो जबरदस्त चौंकाने वाले तथ्य उजागर हुए। उन तथ्यों में एक तथ्य यह था कि वह व्यक्ति जिसने उक्त लड़की से शादी की थी वह पूर्णतया 'नपुंसक' था। इसी 'वजह' से वो इस लड़की को अपने साथ रखना चाहता था। ताकि उसका 'भेद' दूसरों के सामने नहीं खुल सकें।

यह लड़की अपने पीहर चली आई। ससुराल वालों ने इस पर चोरी का झुठा केस दर्ज करवा दिया। फिर क्या था, लड़की ने आव देखा न ताव। अपने धर्मपति की काबलियत को सबके सामने रख दिया और यहीं से समाज के तथाकथित 'ठेकेदारों' का न्याय की बजाय अन्याय का पक्ष सामने आ गया। माली संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष ने बकायदा अपनी जुबानी उस 'अन्याय पीड़ित महिला' का साथ देने की बजाय उस 'व्यक्ति' का साथ देना गवारा समझा जो कि एक लड़की की जिन्दगी से खिलवाड़ करना चाहता था। जी हाँ, हम आपको बता दे कि मेडिकल रिपोर्ट में उक्त व्यक्ति नपुंसक था, और यह बात आप और हम अच्छी तरह से जानते है कि एक नपुंसक व्यक्ति के साथ एक नवविवाहिता कितने दिनों तक रह सकती है, और यहीं शुरूआत हुई उस 'अमानवीय' कृत्य की जिसे न तो आप अपना समर्थन देगें और न ही हम।

मगर बात यहां तक नहीं रही और दूर तलक गई। बात अपने माली संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष श्रीमान् जी के पास गई और फिर क्या था कि श्रीमान् जी ने न आव देखा और न देखा ताव। अपनी हैसियत और पहुंच के मुताबिक अध्यक्ष महोदय ने लड़की के ससुराल पक्ष का साथ देकर प्रशासन व समाज के कुछ तथाकथित नेताओं के माध्यम से लड़की के पक्ष वालों को डराने-धमकाने और मामला खत्म करने का प्रयास किया।

उक्त लड़की महिला आयोग में जोधपुर के जाने-माने लोक कलाकार श्री छंवरलाल गहलोत के माध्यम से पहुंची। आयोग में श्रीमती निर्मला देवड़ा की निष्पक्ष जांच में यह सभी सच्चाई सामने आ गई और न्यायालय के माध्यम से इस लड़की का तलाक हो पाया।

श्री छंवरलाल गहलोत एवं श्रीमती निर्मला देवड़ा के अथक प्रयासों से उस लड़की का पुर्नविवाह संपन्न हुआ। आज वह लड़की अपने परिवार के साथ खुशी खुशी रह रही है।

'माली सैनी सन्देश' की विचारधारा हमेशा स्पष्ट रही है। हम समाज को बड़ा मानते है, समाज से बड़ा कोई नहीं हो सकता। सामाजिक रित-रिवाजों के साथ सामाजिकता को बचाने के लिए समाज के गणमान्य व्यक्तियों को परमेश्वर की उपाधि से भी हमारे भारतवर्ष में नवाजा गया है। तो फिर प्रश्न यह उठता है कि अन्याय का साथ देना क्या न्याय का गला घोंटना या न्याय के साथ जबरदस्ती नहीं है। हो सकता है कि आपको इस लेख का शीर्षक पढ़कर कुछ अटपटा लगे लेकिन संक्षिप्त भाषा में यह हमें उचित ही लग रहा है, इसमें कोई गलत वाक्य या गलत संदेश छिपा हुआ नहीं है। अन्याय से पीड़ित हर व्यक्ति को न्याय मिलना चाहिए। मगर न्याय के साथ कोई जबरदस्ती या थोपी हुई विचारधारा को कभी स्वीकार नहीं किया जा सकता।

'खरी-खरी' में अगली बार पढ़ेगे दो और ऐसे मुद्दे जिन पर आपको लगेगा कि 'दाल में कुछ काला नहीं है, बल्कि पूरी दाल ही काली है।' हमारा प्रयास यही है कि हम समाज के सामने वो तथ्यात्मक सच्चाई रखे जिनसे सभी कोसों दूर है। हम मात्र कोरी कल्पनाओं के कागजी घोड़ो पर विश्वास नहीं करते बल्कि हकीकत के माध्यम से दूध का दूध और पानी का पानी करने की काबलियत रखते है। हाँ यह जरूर है कि कोई भी फैसला हम नहीं करते बल्कि समाज के फैसलों का सम्मान करते है। हमारा आशय मात्र इतना है कि नये चेहरों को जगह मिले ताकि स्वार्थ की प्रवृति पर लगाम लग सके और आने वाली भावी पीढ़ी हम पर कोई दोषारोपण नहीं कर सके।

विद्यार्थियों को सुविधाएं कम वसूली ज्यादा

माली संस्थान, जोधपुर अध्यक्ष के ट्रस्ट द्वारा संचालित छात्रावास बना कमाई का जरिया।

जोधपुर। माली संस्थान जोधपुर अध्यक्ष के निजी ट्रस्ट द्वारा संचालित सेठ भीकमदास परिहार छात्रावास के बारे में अनेकों बार समाज के ग्रामिण वर्गो द्वारा उलाहना दिया जाता है कि हमें वहां सुविधाएं कम और हमसे फीस ज्यादा वसूली जाती है।

माली सैनी संदेश ने जब इस संदर्भ में जब जोधपुर संभाग के सभी छात्रावासों में दी जाने वाली सुविधाओं एवं उनके द्वारा छात्रों से लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी प्राप्त की तो वाकई ये चौकानें वाली बात सामने आई की यह छात्रावास नहीं यह तो कमाई का जरिया हैं।

इस छात्रावास में प्रत्येक नियमित छात्र से प्रति वर्ष प्रवेश शुल्क लिया जाता है। यहां तक की बिजली का बिल भी साल के 12 महिनों का वसूला जाता है जबकि छात्र 10 महीनें ही छात्रावास में रहते है। इसके साथ ही मासिक शुल्क की राशि भी 12 महिनों की वसूली जाती है यानि की 2 महीनों का छात्रावास शुल्क भी विद्यार्थियों से वसूला जाता है यहां रहने वाले छात्रों को प्रातः नाश्ता तो दिया जाता है लेकिन दूध/चाय के लिए बाहर जाना पड़ता है।

छात्रावास में लाईब्रेरी का उपयोग करने वालों से सालाना रूपये 2100/- तथा लेपटॉप का उपयोग करने वालों से भी वार्षिक 300/- रूपये वसूले जाते है। इसके साथ ही छात्रावास में पंखा, लाईट खराब होनेपर या किसी प्रकार की टूट फूट होने पर सारा खर्च छात्रों से वसूला जाता है।

हमारे संस्थान के अध्यक्ष महोदय समाज सुधार के अनेकों भाषण देते है लेकिन वास्तविकता से कोसों दूर है इनकी कार्यशेली और इनकी कथनी और करनी में कितना फर्क है वह आप स्वयं नीचे दी गई जानकारी से आकलन कर लें।

सेठ भीकमदास परिहार छात्रावास :

प्रवेश शुल्क	:	2500/- रूपये प्रतिवर्ष सभी नियमित छात्रों के लिए भी अनिवार्य
अमानत राशि	:	1000/-(रिफण्डेबल)
मासिक शुल्क (एक विद्यार्थी)	:	1700/- रू. तथा 200 रूपये प्रति छात्र लाईट के अतिरिक्त (12 महीनें तक देना अनिवार्य)
(दो विद्यार्थी)	:	1500/- रू. तथा 200 रूपये प्रति छात्र लाईट के अतिरिक्त (12 महीनें तक देना अनिवार्य)
लेपटॉप चार्जेज	:	300/- रूपये प्रति छात्र प्रति वर्ष
लाईब्रेरी शुल्क	:	2100/- वार्षिक
नाश्ता	:	पोआ, उपमा इत्यादि (दूध/चाय नहीं)
भोजन	:	सुबह एवं शाम (बिना चुपड़ी रोटी)

विशेष :

टेबल, कुर्सी, बर्तन,विद्यार्थी के द्वारा स्वयं की लानी अनिवार्य। बाथरूम में लाईट नहीं है। इसके साथ ही रूम में पंखा, लाईट या किसी प्रकार की टूट-फूट होने पर सारा खर्चा विद्यार्थी से वसूला जाता है।

समाज के अन्य छात्रावासों में उपलब्ध सुविधाएं एवं शुल्क

गुरुकुल छात्रावास रामबाग, जोधपुर

प्रवेश शुल्क : 2500/- रूपये प्रति वर्ष
अमानत राशि : 1200/- रूपये (रिफण्डेबल)
मासिक शुल्क : 1200/- रूपये (12 महीनें का अनिवार्य)

सुविधाएं : टेबल, कुर्सी, पंलग,
नाश्ता : **कुछ नहीं**
भोजन : सुबह एवं शाम

सिरोही

प्रवेश शुल्क : 105/- रूपये
अमानत राशि : 400/-(रिफण्डेबल)
मासिक शुल्क : 10,200(10 महिनें का तीन किश्तों में)

सुविधाएं : टेबल, कुर्सी, पंलग, कम्प्यूटर शिक्षा एवं लाइब्रेरी, लाईट निःशुल्क
नाश्ता : दूध/चाय, पोआ, उपमा इत्यादि
भोजन : सुबह एवं शाम

पाली

प्रवेश शुल्क : निःशुल्क
अमानत राशि : कुछ नहीं
मासिक शुल्क : 700/- रूपये

सुविधाएं : टेबल, कुर्सी, पंलग, कम्प्यूटर शिक्षा एवं लाइब्रेरी, लाईट निःशुल्क
नाश्ता : दूध/चाय, पोआ, उपमा इत्यादि
भोजन : सुबह एवं शाम

फालना

प्रवेश शुल्क : 1000/- रूपये
अमानत राशि : कुछ नहीं
वार्षिक शुल्क : 10,000 (10 महीनें के लिए)

सुविधाएं : टेबल, कुर्सी, पंलग, कम्प्यूटर शिक्षा एवं लाइब्रेरी, लाईट निःशुल्क
नाश्ता : दूध/चाय, पोआ, उपमा इत्यादि
भोजन : सुबह एवं शाम

विशेष : बोर्ड परिक्षा के लिए विशेष कोचिंग सभी के लिए निःशुल्क आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए फीस में छूट/ निःशुल्क विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं मेहमानों के निःशुल्क ठहरनें की सुविधा।

जालोर

प्रवेश शुल्क : 500/- रूपये
अमानत राशि : कुछ नहीं
मासिक शुल्क : 10,000 (10 महीनें)

सुविधाएं : टेबल, कुर्सी, पंलग, कम्प्यूटर शिक्षा एवं लाइब्रेरी, लाईट निःशुल्क
नाश्ता : दूध/चाय, पोआ, उपमा इत्यादि
भोजन : सुबह एवं शाम

बाड़मेर

प्रवेश शुल्क : **निःशुल्क**
अमानत राशि : **कुछ नहीं**
मासिक शुल्क : 800 रू. (कक्षा 1-3), 900रू (कक्षा 4 से 8वीं), 900 रू(कक्षा 9 से 12वीं)

सुविधाएं : टेबल, कुर्सी, पंलग, कम्प्यूटर शिक्षा एवं लाइब्रेरी, लाईट निःशुल्क
नाश्ता : दूध/चाय, पोआ, उपमा इत्यादि
भोजन : सुबह एवं शाम

विशेष : प्रथम तीन वर्ष तक सभी विद्यार्थियों से केवल 300/-रूपये शुल्क लिया गया। इसके साथ ही प्रत्येक शुक्रवार को स्पेशल डाईट दी जाती है।

माली सैनी समाज में लगने वाले गोत्र (उपनाम)

स्वजातिय बन्धुओं के लिए अलग-अलग राज्यों राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र से गोत्र संकलन करके लिखे गए है जो कि अपने माली (सैनी) समाज से सम्बन्ध व रिश्तों में जुड़े हुए है।

➡ **माली (सैनी) समाज में लगने वाले गोत्र (उपनाम) की संख्या 596 जो ज्ञात है**

➡ माली (सैनी) समाज परिवारों में गोत्र (उपनाम) में इनके नख्चा (खाप) है।

- 66 गोत्र के साथ चौहान लगाते है।
- 11 गोत्र के साथ टांक लगाते है
- 10 नख (खाप) महावर गोत्र में लगते है।
- 7 नख (खाप) भाटी गोत्र में लगते है।
- 5 नख (खाप) जादम गोत्र में लगते है।
- 5 नख (खाप) गेहलोत गोत्र में लगते है।
- 5 नख (खाप) तंवर गोत्र में लगते है।
- 4 नख (खाप) गेहलोत गोत्र में लगते है।3
- 4 नख (खाप) कच्छावा गोत्र में लगते है।
- 3 नख (खाप) सोलंकी गोत्र में लगते है।

यह विवरण गोत्र (उपनाम) की सूची में नख (खाप) प्रकाशित है कृपया सूची देखें।

क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)	क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)	क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)	क्र.सं.	गोत्र (उपनाम)
314	गुडिया	340	जंबूदिया	366	किरमी चौहान	392	कसिल
315	घोष	341	जेबरिया (चौहान)	367	कान्यकुन्य	393	कोकंया
316	घाटेवाल	342	जोजावरिया	368	कनोजिया	394	कोलावत
317	घोडे	343	जनीवाल	369	कुर्सीवाल	395	कुवाडिया
318	घाटावाल	344	जीवनलाल	370	कमडेरिया	396	कोटडया
319	हरोर	345	जेतपुरिया	371	कांकरवाल	397	कोढडिया (पँवार)
320	हरिवाल	346	जीनवाल	372	कुंजडिया	398	क्रश्प
321	हलसोरा	347	जजावरा	373	कटारा	399	कुसेडिया
322	हरिद्वारी	348	जमालपुरिया (चौहान)	374	कुआड़ा	400	कोकार्टे
323	हाडी (तंवर)	349	जामोदिया	375	कन्नोरोलिया	401	काबरे
324	होलेपाठरे	350	जारवाल	376	कच्छावा (खचाना)	402	कसोदनिया
325	हुडेकर	351	जमुदिया	377	कच्छावा (जामून का पुजाय)	403	कपूर
326	हुल	352	जहाजपुरिया	378	कच्छावा (सूरज का पुजाय)	404	खटाले
327	हरिवर	353	जगरिया	379	कच्छावा (नीम का पुजाय)	405	खाबरिया (चौहान)
328	हय्द्वारिया	354	जारवार	380	कैछला	406	खुराडिया
329	हारोड	355	जुजातिया	381	कारोंडिया	407	खजुरिया
330	हल्दकार	356	झुट	382	कानडिया	408	खुलडिया
331	जयदेव (पंवार)	357	कोरडे	383	कमोडिया	409	खण्डेलवाल (तंवर)
332	जादम (जोगी)	358	काजले	384	कजड़िया	410	खंडगावत
333	जादम (गोला)	359	कारोद	385	कजड़ा	411	खजोल्या
334	जादम (जोदा)	360	कलचुरी (हैदय)	386	कुकरदिया	412	खरवाडिया
335	जादम (भाटी)	361	कारढरपाल	387	कुशयीवाल	413	खजोतिया
336	जागड़ा	362	कोरपाल	388	कुवाड़ा	414	खुवालं
337	जही (मावर)	363	कोरकुल	389	कडोल्या	415	खजोरिया
338	जाधव	364	कवितिया	390	किलनौतिया	416	खण्डेला (चौहान)
339	जेठवा	365	कसूभीवाल (चौहान)	391	कम्बू	417	खेखट

शेष अगले अंक में....

जिला स्तरीय कब्बडी प्रतियोगिता संपन्न

प्रतियोगिता का शुभारंभ करते जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी

जोधपुर। जिला स्तरीय कबड्ड प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय पूंजला, माता का थान में दिनांक 4 सितम्बर, 2012 को संपन्न हुआ।

प्रतियोगिता का उद्घाटन दिनांक 1 सितम्बर, 2012 को जोधपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में श्री कालूसिंह गहलोत ने अध्यक्षता एवं नगर निगम जोधपुर के महापौर श्री रामेश्वर दाधिच ने विशिष्ट अतिथि थे। अतिथियों का स्वागत विद्यालय विकास समिति के अध्यक्ष श्री ब्रह्मसिंह भाटी तथा माता का थान विकास समिति के अध्यक्ष श्री गोपाल सिंह गहलोत ने किया।

प्रतियोगिता संयोजक एवं प्रधानाध्यियापिका श्रीमती कमलेश ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले भर की स्कूल की टीमों ने भाग लिया। चार दिन तक चली प्रतियोगिता में कई रोचक मुकाबले हुए। इस प्रतियोगिता के लवकुश बाल निकेतन उ. प्रा. वि. मांडियाई कलां प्रथम एवं रा. उ. प्रा. विद्यालय विष्णु नगर, लुणावास खारा पं. समिति लुनी की टीम द्वितीय रही।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में श्री प्रेमचंद सांखला जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अर्जुन सिंह एवं श्री कालूसिंह गहलोत के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। प्रतियोगिता में विजेता उपविजेता रही टीमों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर अतिथियों ने सम्मानित किया।

पुरस्कार वितरित करते श्री प्रेमचंद सांखला जिला शिक्षा अधिकारी

समृद्धि सोसायटी द्वारा निवेशक जागरुक अभियान

सरोही। दिनांक 18.09.2012 को समृद्धि क्रेडिट को-ऑपरटिव सोसायटी लि. द्वारा लगतार दूसरे वित्तिय वर्ष भी **''ए'' ग्रेड** से सम्मानित होने व लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल की समाप्ति पर **''जागो ग्राहक जागो अभियान''** के तहत सोसायटी द्वारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पुखराज गहलोत के नेतृत्व में सोसायटी के अधिकारियों, शाखा प्रबन्धकों मय कर्मचारियों तथा अभिकर्ताओं द्वारा सिरोही शहर के व्यापारियों को सोसायटी से सम्बन्धित जानकारी देकर सर्वे फार्म भरवाकर सोसायटी की कार्य प्रणाली एवं अभिकर्ताओं के कार्यकुशलता का मूल्यांकन किया गया। साथ ही सोसायटी से जुडे हुये निवेषकों से सुझाव लेकर सोसायटी को ओर ज्यादा समृद्ध बनाने का विश्वास दिलाया।

सोसायटी अध्यक्ष श्री प्रकाश बी. माली ने बताया कि वर्तमान समय में धन की सुरक्षा को लेकर आमजन के मन में शंकाऐ रहती हैं लेकिन ऐसे आयोजन से सोसायटी की कार्यप्रणाली एवं कुशल प्रबन्धन के प्रति जागृति एवं सोसायटी में अपने धन का सुरक्षित अहसास होता हैं।

सोसायटी के महाप्रबन्धक श्री कैलाश प्रजापत, शाखा प्रबन्धक देवीलाल हीरागर, अशोक माली, ललित सरगरा, भंवरलाल माली, राजु सैन, अभिकर्ता हरीश माली, अर्जुन माली, अनिल कुमार, भुवेनश, मोहनलाल, शैलेश माली आदि ने ग्राहकों को सोसायटी की गतिविधियों, वित्तीय स्थिति की जानकारी प्रदान की।

इसी क्रम में सोसायटी द्वारा निवेशक जागरूक कार्यक्रम एवं सहकारिता के प्रति ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 15.09.2012 को प्रात: 11.00 बजे प्रधान कार्यालय में रखा गया हैं जिसमें सहकारिता से जुडे हुये प्रबुद्ध नागरिक भाग लेकर सोसायटी का मूल्यांकन करेगें।

वसीयत

हमारी सम्पति हमारी मृत्यु के बाद हमारे इच्छित व्यक्ति को ही मिले एवं हमारी मृत्यु के पश्चात हमारे अपनों के बीच सम्पति के संबंध में कोई विवाद की स्थिति नहीं बने तो हम वसीयत करके निश्चित हो सकते है।

वसीयत से हम परिचित तो अवश्य है परन्तु हम इससे संबंधित कानून और महत्व से अनभिज्ञ है। आम धारणा से विपरित वसीयत में न तो कोई लम्बी चौड़ी और जटिल प्रक्रिया है और न ही खर्चीली है। यदि हम चाहते है कि हमारी सम्पति हमारी मृत्यु के बाद हमारे इच्छित व्यक्ति को ही मिले एवं हमारी मृत्यु के पश्चात हमारे अपनों के बीच सम्पति के संबंध में कोई विवाद की स्थिति नहीं बने तो हम वसीयत करके निश्चित हो सकते है।

भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 की धारा 2 (एच) के अनुसार 'वसीयत' वसीयतकर्ता की एक विधिक घोषणा है। जिसके अन्तर्गत वह अपनी सम्पति को अपनी मृत्यु के पश्चात अपनी इच्छानुसार व्यवस्थित करता है। वसीयत कानूनी रूप से मान्य दस्तावेज होता है, जिसे न्यायालय सहित सर्वत्र मान्यता प्राप्त है।

वसीयत कौन कर सकता है –

प्रत्येक व्यक्ति जो 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो, स्वस्थचित हो और संविदा करने में सक्षम हो, वसीयत कर सकता है। अनपढ़ एवं अपाहिज व्यक्ति भी वसीयत कर सकता है। वसीयत अपने रिश्तेदार, मित्र या किसी भी व्यक्ति के पक्ष में हो सकती है।

वसीयत कैसे करे –

हम अपनी इच्छानुसार अपनी वसीयत स्वयं लिख सकते है अथवा किसी अधिवक्ता या विश्वासपात्र विशेष से लिखवा भी सकते है। हमें अपना व जिन व्यक्तियों को वसीयत करना चाहते है उनका पूरा नाम एवं विवरण एवं अचल एवं चल सम्पति का सम्पूर्ण ब्यौरा अवश्य लिखना चाहिए। जिसमें इसका अनुमानित मूल्य भी लिखा जाता है। एक अच्छे स्तर के कोरे कागज पर भी वसीयत लिखी जा सकती है। इसके लिए स्टाम्प पेपर आवश्यक नहीं है। वसीयत किसी भी भाषा में हाथ से या अन्य यांत्रिक साधन द्वारा लिखी जा सकती है। प्रत्येक कागज के चारों तरफ समुचित हाशिया छोड़ा जाना चाहिए। वसीयत संयुक्त रूप से भी की जा सकती हैं वसीयत में किसी भी प्रकार की कांट छांट नहीं होनी चाहिए। वसीयत का हस्तलेख पढ़ने में आसान हो एवं इसे बॉल पाइन्ट पेन से भी लिखा जा सकता है।

दो साक्षियों की उपस्थिति :

वसीयत पर वसीयतकर्ता के अतिरिक्त दो साक्षियों के हस्ताक्षर (अथवा निशान अंगुष्ठ) होने आवश्यक है। वसीयतकर्ता को इन दो साक्षियों की उपस्थिति में वसीत के प्रत्येक पृष्ट पर हस्ताक्षर या निशान अंगुष्ठ लगाना जरूरी है। फिर गवाहों द्वारा भी वसीयतकर्ता के सामने अपने हस्ताक्षर या निशान अंगुष्ठ करने होंगे। ऐसे गवाह भी स्वस्थचित और वयस्क होने चाहिए। वसीयतकर्ता किसी सम्पति को एक या अधिक व्यक्तियों के बीच बांटने का उल्लेख अपनी वसीयत में कर सकता है और इसमें कोई भी शर्त भी लगा सकता है। यथा, अमुक सम्पति किसी लाभग्राही के पास उकसे जीवनकाल तक ही रहेगी और तत्पश्चात किसी अन्य व्यक्ति को मिल जायेगी।

पंजीकरण –

वसीयत का पंजीकरण करवाना कानूनी तौर पर अनिवार्य नहीं है सुविधा की दृष्टि से इसका पंजीकरण संबंधित पंजीयन कार्यालय में कराया जा कर इसकी प्रमाणित प्रतिलिपी प्राप्त की जा सकती है। वसीयत की चार प्रतियों में तैयार कर लेनी चाहिए। जिसकी एक प्रति वसीयतकर्ता स्वयं के पास, एक प्रति वकील के पास तथा एक एक प्रति साक्षियों के पास होनी चाहिए। सभी प्रतियां हस्ताक्षरित हो और मुहरबंद लिफाफे में रखी जानी चाहिए। वसीयतकर्ता की मृत्यु के बाद किसी विश्वसनीय व्यक्ति को उसे खोलने का अधिकार देना चाहिए।

वसीयत में हो सकता है बदलाव –

वसीयतकर्ता अपने जीवन काल में वसीयत में परिवर्तन कर सकता है अथवा इसको रद्द भी कर सकता है। वसीयतकर्ता अपने जीवन काल में की गई अन्तिम वसीयत ही मान्य रहेगी। नई वसीयत के आ जाने के बाद पुरानी वसीयतें रद्द मानी जायेगी। यदि वसीयत में आंशिक परिवर्तन करना हो तो इसे कोडिसिल के द्वारा भी किया जा सकता है। ऐसे प्रत्येक परिवर्तन का कारण स्पष्ट करते हुए वसीयतकर्ता को अपने हस्ताक्षर और दो गवाहों के हस्ताक्षर करवाने चाहिए। यह आवश्यक नहीं कि वे गवाह मूल वसीयत वाले गवाह के ही हो।

सक्षम न्यायालय द्वारा जारी की गई वसीयत के प्रमाणीकरण को प्रोबोट कहते है, जिसके आधार पर लाभग्राही को सम्पति पर अधिकार प्राप्त हो जाता है। यदि अलग अलग तारीखों पर लिखी गई अनेक वसीयतें होगी तो सबसे नवीनतम वसीयत ही वैद्य समझी जोयगी।

विवाद की स्थिति में वसीयत को गलत साबित करने का भार उस व्यक्ति हो होता है जो उसे वसीयत को चुनौती देता है।

यदि किसी व्यक्ति को वसीयत करनी है तो उपरोक्त काम की बातों पर अवश्य ध्यान देना होगा।

माली सैनी संदेश मेरिज ब्यूरों

माली समाज में पारस्परिक रिश्तें कायम करने के लिए विवाह योग्य युवक युवती का रजिस्ट्रेशन(पंजीयन)नि:शुल्क किया जाता है। पत्रिका ऐसे सभी योग्य वर/ वधू का पंजियन कर उनका विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित करेगा इस हेतु लड़की की न्यूनत्तम आयु 18 वर्ष व लड़के की न्यूनत्तम आयु 21 वर्ष होना आवश्यक है। पत्रिका की ओर से वर्ष में एक बार परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया जायेगा। संभावित रिश्ते वाले दोनों पक्षों को सूचित कर रिश्तें कायम करने का हर संभव प्रयास किया जायेगा।

युवक-युवती व्यक्तिगत विवरण

नवीनतम फोटो

क्रम संख्या.................... दिनांक ....

1. युवक/युवती का नाम.. गौत्र ....
2. युवक/युवती कार्यरत है, व्यवसाय का नाम व पता..

....

..................................फोन नम्बर..............................मोबाईल नम्बर...................................वार्षिक आय..

3. शैक्षिक योग्यता ....विशेष योग्यता..

3. जन्म तिथि.. ऊँचाई...............................से. मी. वजन.......................... किलो

4. शारीरिक रंग : गोरा/गेंहुआ/श्याम.........................चश्में का प्रयोग : हा/ नहीं................. मांगलिक है या नहीं.........................

3. अन्य जानकारी जो आप देना आवश्यक समझें..

....

3. पारिवारिक विवरण

पिता का नाम..माता का नाम..

माता/पिता का निवास स्थान..

....फोन नम्बर..मोबाईल नम्बर..

माता/पिता व्यवसायिक पता..

....फोन नम्बर..मोबाईल नम्बर..

वार्षिक आय..मकान निजी/किराये का..

भाई-बहनों की संख्या........................... विवाहित :भाई...................... बहिन....................... अविवाहित :भाई....................बहिन....................

4. ननिहाल पक्ष विवरण

नाना /मामा का नाम व पूरा पता..

....

....फोन नम्बर..मोबाईल नम्बर..

हस्ताक्षर अभिभावक दिनांक .... **हस्ताक्षर युवक/ युवती**

भेजे : **माली सैनी संदेश**, पोस्ट बाक्स नं. 09, जोधपुर या फिर ई-मेल करें : **malisainisandesh@gmail.com; www.malisainisandesh.com**

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचन्द्र सोलंकी पुत्र श्री गोविन्दराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश गेहलोत पुत्र स्व. श्री बलदेवसिंहजी जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्रीबाबूलाल टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्री बंशीलाल मारोठिया पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल गेहलोत पुत्र श्री दयाराम जोधपुर
श्री सोहनलाल देवड़ा पुत्र श्री हापुराम देवड़ा मथानियां
श्री अमृतलाल परिहार पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार (उपाध्यक्ष नगर पालिका) बालोतरा
श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत बालोतरा
श्री लक्ष्मीचन्द सुंदेशा पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा बालोतरा
श्री वासुदेव गहलोत पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत बालोतरा
श्री महेश बी. चौहान पुत्र श्री भगवानदास चौहान बालोतरा
श्री हेमाराम माली पुत्र श्री रूपाराम पंवार बालोतरा
श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री हरिराम पंवार बालोतरा
श्री छगनलाल गहलोत पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत बालोतरा
श्री सोनाराम सुंदेशा पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम सुंदेशा पुत्र श्री पूनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्र कुमार पंवार पुत्र श्री अणदाराम पंवार बालोतरा
श्री शंकरलाल (पार्षद) पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार बालोतरा
श्री घेवरचंद पंवार पुत्र श्री भोमजी पंवार बालोतरा
श्री रामकरण माली पुत्र श्री किसनाराम माली बालोतरा
श्री रतन परिहार पुत्र श्री देवजी परिहार बालोतरा
श्री कैलाश काबली (अध्यक्ष माली समाज) पाली
श्री घीसाराम देवड़ा (मंडल महामंत्री भाजपा) भोपालगढ़
श्री शेषाराम श्यामलाल टाक पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल माली (सरपंच महिलावास) सिवाणा
श्री रमेश कुमार सांखला सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाह, लवेरा बावड़ी
संत हजारीलाल गहलोत जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार डीसा
श्री हितेश भाई मोहन भाई पंवार डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी डीसा
श्री मगनलाल गीगा जी पंवार डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा डीसा
श्री नवीनचन्द दलाजी गहलोत डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाह डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा डीसा

श्री सुखदेव वक्ता जी गहलोत डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी डीसा
श्री किशोर कुमा सांखला डीसा
श्री बाबुलाल गीगाजी टाक डीसा
श्री देवचन्द रगाजी कच्छवाह डीसा
श्री सतीश कुमार लक्ष्मीचन्द सांखला डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाह डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाह डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी डीसा
श्री अशोक कुमार पुनमाजी सुंदेशा डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार सोढ़ो की ढाणी
श्री सम्पतसिंह पुत्र श्री बींजारामजी गहलोत जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छवाह जोधपुर
श्री सीताराम सैनी पुत्र श्री सुरजमल सैनी सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी सर्वोदय सोसायटी जोधपुर
श्री जयनारायण गहलोत चौपासनी चारणान मथानियां
श्री अशोक कुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी गेंवा जोधपुर
श्री रामेश्वरलाल (सुशील कुमार) गहलोत जोधपुर
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी चौखा
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कम्पनी भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भगवती खाद बीज भण्डार भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार राजस्थान फार्मेसिया जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेंट सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी सोजतरोड़
श्री राम अकेला पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा देवड़ा मोटर्स जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला सांखला सिमेंट जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र स्व. श्री बींजाराम गहलोत जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी भीनमाल
श्री सांवरराम परमार भीनमाल
श्री भारताराम परमार भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल

श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार भीनमाल
श्री डी.डी. भाटी पुत्र श्री भंवरलाल भाटी जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार सूरसागर जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत गहलोत सूरसागर जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी आदमपुरा
श्री अशोक सांखला पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला जोधपुर
श्री नटवरलाल माली जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत जोधपुर
श्री अमित पंवार जोधपुर
श्री राकेश कुमार सांखला जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार बालोतरा
श्री अरविन्द सोलंकी जोधपुर
श्री सुनिल गहलोत जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार जोधपुर
श्री मनीष गहलोत जोधपुर
श्री योगेश भाटी अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा बिलाड़ा
श्री प्रकाशचन्द सांखला ब्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी जोधपुर
श्री महावीरसिंह भाटी जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा जोधपुर
श्री अशोक टाक जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत सालावास जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा मध्यप्रदेश

माली सैनी संदेश

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि

हमारी क्रियेटिव टीम के साथ यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे देश ही नहीं विदेश में भी।

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-
Color Page	2,500/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur

Cell : 94144 75464, 92140 75464

log on : www.malisainisandesh.com

e-mail : malisainisandesh@gmail.com

e-mail : editor@malisaini.org

क्योंकि सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता . . .

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

भीनमाल में आयोजित सम्मान समारोह की झलकियां

मुख्य अतिथि श्री सत्यनारायण सिंह का स्वागत करते भीरू ग्रुप के सचिव श्री भंवरलाल सोलंकी

पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत एवं श्री सत्यनारायण सिंह युवा प्रतिभा का सम्मान करते हुए

संस्था के पदाधिकारियों पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत का मालार्पण एवं मोमेण्टों देकर सम्मान करते हुए

जनप्रतिनिधि का सम्मान करती डॉ. मनीषा मण्डादे, श्रीमती अल्का सैनी पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष री मोतीलाल सांखला

समाजसेवी श्री पुरूषोत्तम सोलंकी (बाड़मेर) का सम्मान करते श्री नाथू सोलंकी एवं संस्था पदाधिकारी

माली सैनी संदेश के संपादक प्रकाशक का सम्मान करते संस्थान पदाधिकारीगण

Postal Regd. No. Jodhpur/221/2009-2011

NO. RAJHIN12897/20/1/2004-TC

स्व. श्री मानसिंहजी देवड़ा

की पुण्यतिथि पर जोधपुर में आयोजित विभिन्न श्रद्धांजलि कार्यक्रम

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं सम्पादक मनीष गहलोत के लिए मुद्रक मोहम्मद मुस्लिम द्वारा हिन्दुस्तान प्रिण्टिंग हाउस इन साईड ईदगाह कम्पाउण्ड जालोरी गेट, जोधपुर से मुद्रित एवं माली सैनी संदेश कार्यालय, 31, गणपति मार्केट नई सड़क, जोधपुर से प्रकाशित।
फोन : 09414475464 ई–मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR

log on : www.malisainisandesh.com; www.malisaini.org